जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, शनिवार 9 मई, 2026

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™
Pavitra

FIXED PRICE

विश्व की सर्वोत्तम हल्दी
7–12% CURCUMIN वाली
CRYOGENIC GRINDING से बनी
भारत की एकमात्र लाकाडोंग हल्दी पाउडर
(साधारण हल्दी से 4 गुना ज्यादा करक्यूमिन)

250 g
MRP ₹ 250

क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग से बने प्रोडक्ट्स
लाकाडोंग हल्दी पाउडर, मिर्ची पाउडर, धनिया पाउडर

लाकाडोंग हल्दी पाउडर
मेघालय के लाकाडोंग की पहाड़ियों में उगाई गई प्रीमियम GI TAGGED हल्दी से बना

ब्लेंडेड मसाले
किचन किंग मसाला • गरम मसाला • सब्ज़ी मसाला • शाही पनीर मसाला
दाल मखनी मसाला • राजमा मसाला • चना मसाला • पाव भाजी मसाला • सांभर मसाला
चाट मसाला • छाछ मसाला • रायता मसाला • जलजीरा मसाला • पोहा मसाला
चाय मसाला • अमचूर पाउडर • हिमालयन पिंक रॉक सॉल्ट • तूफानी हींग

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800-120-2727

For joining us as Distributor or Business Development Officer
Email ID : bdm@kediapavitra.com | Call : +91 76888-66333

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply
MRP ₹ Incl. of all taxes

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

FIXED PRICE

₹4000/-Sq Ft में फ्लैट!

NO MIDDLE MEN

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

वैशाली नगर
12000/- Sq. Ft.
8 मिनट की दूरी
KEDIA सेजस्थान
4000/- Sq. Ft.

वैशाली की रेट
12000/- Sq. Ft.

8 मिनट की दुरी की रेट
4000/- Sq. Ft.

8 मिनट में
8000/- Sq. Ft. की बचत

अब हर महीने रेट बढ़ेगी

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 MAY 2026	30 JUNE 2026	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 Lacs	66 Lacs	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 Lacs	82.5 Lacs	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 Cr	1.075 Cr	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.26 Cr	1.29 Cr	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.60 Cr	1.65 Cr	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kediа.com
www.kediа.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

विचार बिन्दु

सत्‌ग्रंथ इस लोक की चिंतामणि नहीं उनके अध्ययन से सारी कुचिंताएं मिट जाती है। संशय पिशाच भाग जाते हैं और मन में सद्‌भाव जागृत होकर परम शांति प्राप्त होती है। –अज्ञात

पेंशन के लिए पैसा नहीं, मुफ्त की रेवड़ियों के लिए खजाना खुला है - राजस्थान के विश्वविद्यालय पेंशनरों के साथ अन्याय कब तक?

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल 2026 को महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाते हुए कहा- पेंशन के लिए कुर्सी-टेबल बेचो, 'लाडकी बहन' जैसी योजनाएं बंद करो। अदालत का यह आदेश केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। फंड की कमी का बहाना नहीं चलेगा। पेंशन के लिए कुर्सी-टेबल बेचें, 43000 करोड़ रु. की लाड़की बहन जैसी योजना बंद करें-बॉम्बे हाईकोर्ट, मुंबई ने स्पष्ट और सख्त शब्दों में कहा है कि फंड की कमी का बहाना बनाकर सरकार या नगर निगम प्रशासन पेंशन और बकाया लाभों का भुगतान टाल नहीं सकता। अदालत ने यहां तक कह दिया कि अगर पैसे नहीं हैं तो गैर-जरूरी योजनाएं बंद करें या दफ्तरों की संपत्ति बेचें, लेकिन कर्मचारियों को उनका हक जरूर दें।

यह टिप्पणी सातवें वेतन आयोग लागू होने से परेशान एक सेवानिवृत्त महिला कर्मचारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। मुंबई नगर निगम के शिक्षा विभाग में कार्यरत रही एक महिला कर्मचारी ने उच्च न्यायालय का दरवाजा तब खटखटाया, जब सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें सातवें वेतन आयोग के अनुसार पेंशन और अन्य वैधानिक लाभ नहीं मिले। बार-बार आग्रह के बावजूद नगर निगम और सरकार की ओर से केवल फंड की कमी का हवाला दिया जा रहा था, जिससे उनका जीवनयापन कठिन हो गया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासन की दोहरी नीति पर तीखी टिप्पणी की। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब अतिरिक्त आयुक्तों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार पूरा वेतन मिल सकता है, तब शिक्षकों और कर्मचारियों के मामले में अचानक फंड की कमी क्यों सामने आ जाती है। कोर्ट ने कहा कि जब आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होने का समय आ चुका है, तब भी सातवां वेतन आयोग लंबित रखना गंभीर लापरवाही है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि यदि सरकार के पास सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों की पेंशन देने के लिए धन नहीं है, तो उसे 'लाड़की बहन' जैसी योजनाएं बंद करने पर विचार करना चाहिए। कर्मचारियों का वेतन और पेंशन कोई अनुग्रह नहीं, बल्कि उनका कानूनी अधिकार है।

यह टिप्पणी राजस्थान सरकार और यहां के सभी विश्वविद्यालयों के लिए आईना है। यह खबर राजस्थान के विश्वविद्यालय पेंशनरों का दर्द बयान करती है। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के पेंशनर 12 दिन से धरने पर हैं। 42.6 डिग्री तापमान में न छाया, न पानी की व्यवस्था। नतीजा-चार बुजुर्ग बेहोश होकर गिर पड़े। ओआरएस और दवाइयों से प्राथमिक उपचार करना पड़ा। पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. रामनिवास शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि किसी पेंशनर को नुकसान हुआ तो जिम्मेदार विश्वविद्यालय प्रशासन और सरकार होगी।

सवाल यह है-नौबत यहां तक क्यों आई? विश्वविद्यालय की सालाना आय 76 करोड़ है, जबकि खर्च 121 करोड़। यानी हर साल 45 करोड़ का घाटा। 1,475 पेंशनरों को सालाना 105 करोड़, यानी हर महीने 8.75 करोड़ रुपये पेंशन देनी पड़ रही है। पिछले 8 वर्षों में 16 बार आंदोलन हो चुके हैं, पिछले वर्ष जुलाई में 92 दिन लगातार आंदोलन हुआ। फिर भी हर दूसरे महीने धरना देना पड़ रहा है।

अच्छी बात है कि गरीबों को राहत मिले, लेकिन क्या यह राहत उन लोगों का हक मारकर दी जा रही है जिन्होंने जीवन भर सेवा की? कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति और भी गंभीर है। स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 22 महीनों की पेंशन बकाया है। महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत के स्थान पर केवल 12 प्रतिशत दिया जा रहा है, वह भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, सातवें वेतन आयोग का एरियर लंबित है, 70 और 75 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त पेंशन नहीं मिल रही, कम्यूटेड पेंशन पर रोक है।

राजस्थान में आज स्थिति यह है कि लोक-लुभावन योजनाओं के लिए खजाना हमेशा खुला रहता है, लेकिन जिन शिक्षकों ने 35-40 साल तक राष्ट्र निर्माण किया, उनकी पेंशन के लिए फंड की कमी का रोना रोया जाता है। राज्य में अनेक योजनाएं चल रही हैं-लाडो प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, युवा स्वरोजगार योजना, इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना, महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, मुफ्त अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना, मुफ्त बिजली योजना-इन पर हर साल 40-50 हजार करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। लेकिन विश्वविद्यालय पेंशनरों के लिए 550 करोड़ रुपये नहीं हैं।

अच्छी बात है कि गरीबों को राहत मिले, लेकिन क्या यह राहत उन लोगों का हक मारकर दी जा रही है जिन्होंने जीवन भर सेवा की? कृषि विश्वविद्यालयों में स्थिति और भी गंभीर है। स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में 22 महीनों की पेंशन बकाया है। महंगाई भत्ता 58 प्रतिशत के स्थान पर केवल 12 प्रतिशत दिया जा रहा है, वह भी अदालत के हस्तक्षेप के बाद। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही, सातवें वेतन आयोग का एरियर लंबित है, 70 और 75 वर्ष की आयु पर अतिरिक्त पेंशन नहीं मिल रही, कम्यूटेड पेंशन पर रोक है।

विडंबना यह है कि वर्तमान कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है, जबकि सेवानिवृत्त प्राध्यापकों को 12-42 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया है। यह केवल वित्तीय संकट नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता का प्रमाण है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यह पैसा आता कहां से है? यह पैसा ईमानदार टैक्सपेयर की जेब से आता है-वह मध्यम वर्ग जो सुबह 9 से शाम 6 तक मेहनत करता है, इनकम टैक्स देता है, जीएसटी देता है। जब सरकार उसी पैसे से मुफ्त बिजली, मुफ्त राशन, नकद सहायता बांटती है, तो विकास के कार्यों में कटौती होती है। सड़कें टूटती हैं, स्कूलों में शिक्षक नहीं, अस्पतालों में डॉक्टर नहीं, नहरों में पानी नहीं-क्योंकि पैसा रेवड़ियां बांटने में खर्च हो रहा है।

क्या यह टैक्सपेयर के साथ धोखा नहीं है? उसने टैक्स इसलिए दिया था कि देश का इंफ्रास्ट्रक्चर बने, शिक्षा और स्वास्थ्य सुधरे-न कि वोट बैंक बनाने के लिए पैसा बांटा जाए। मुफ्तखोरी समाज को आलसी बना रही है। युवा वर्ग में यह मानसिकता बन रही है कि सरकार देगी तो काम क्यों करें? यह राष्ट्र की उत्पादकता पर सीधा प्रहार है। स्वाभिमान से काम करके खाने की संस्कृति खत्म हो रही है और सरकार पर निर्भरता बढ़ रही है।

समाधान भी स्पष्ट है। सबसे पहले, पेंशन और वेतन को प्राथमिकता दी जाए-यह कोई दया नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार है। दूसरे, फिजूलखर्ची पर रोक लगे-यदि पेंशन के लिए पैसा नहीं है तो गैर-जरूरी योजनाएं बंद हों। तीसरे, जवाबदेही तय हो-विश्वविद्यालयों के कुलपति और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया जाए। उनके खर्चों में कटौती कर पेंशन दी जा सकती है।

अब सरकार को तय करना है-लोकप्रियता या न्याय? वोट बैंक या राष्ट्र निर्माण? मुफ्तखोरी या स्वाभिमान? बॉम्बे हाईकोर्ट ने रास्ता दिखा दिया है। अब राजस्थान सरकार और विश्वविद्यालयों को निर्णय लेना है कि वे कुर्सी-टेबल बेचेंगे या पेंशनरों के आंसू पोंछेंगे। क्योंकि जिस देश में गुरु भूख के कगार पर हो और मुफ्त की रेवड़ियां बांटी जाएं, उस देश का भविष्य अंधकारमय होता है।

अंततः यह केवल आर्थिक या प्रशासनिक मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, नैतिकता और संवैधानिक मूल्यों का प्रश्न है। जिस समाज में अपने शिक्षकों और वरिष्ठ नागरिकों को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पडे, वहां विकास अधूरा रह जाता है। समय आ गया है कि सरकार यह तय करे-क्या वह रेवड़ी संस्कृति को बढ़ावा देगी या उन लोगों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा करेगी, जिन्होंने जीवन भर राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो. पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष एवं मुख्य मृदा वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, उदयपुर

लोकसभा, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना और को परिसीमन - राज्यों के शक्ति संतुलन को बचाकर न्यायसंगत प्रतिनिधित्व कैसे हो

महावीर सिंह

16,17 अप्रैल 26 को लोकसभा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बहस हुई। अवसर था नारी शक्ति को लोकसभा, विधान सभाओं में प्रतिनिधित्व देना। वैसे तो महिलाओं के लिए ऐसा संविधान संशोधन पहले किया जा चुका था किंतु राम, जाने उसे तत्काल लागू क्यों नहीं किया गया था? क्या उसी संशोधन के अनुसार महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण नहीं किया जा सकता था?? लेखक के अनुसार किया जा सकता था, कोई बाधा नहीं थी। इसे अनावश्यक रूप से जनगणना और डिलिमिटेशन से जोड़ा गया।

ऐसा क्यों किया गया? इस पर संसद में व्यापक चर्चा हो चुकी है। उसे दोहराने का कोई अर्थ नहीं होगा। सत्ता पक्ष महिलाओं का बड़े पैमाने पर समर्थन चाहता है और इस की आड़ में कानून बनाने वाली सर्वोच्च संस्थाओं के निर्वाचन क्षेत्रों को मनमर्जी से पुनर्गठित करना चाहता था, ऐसा लगभग सम्पूर्ण विपक्ष का कहना था। निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्गठन में, यदि आयोग निष्पक्षता से काम नहीं करे तो सत्ता पक्ष की इच्छाओं के अनुसार पटवार मंडलों, गिरदावर हलकों को इस ढंग से निर्वाचन क्षेत्र में जोड़ और हटा सकता है जो एक बार तो सत्तापक्ष का पलड़ा भारी कर ही सकता है।

परिसीमन यानी लोकसभा और विधानसभा सीटों का फिर से बंटवारा 2026 के बाद का सबसे बड़ा संवैधानिक मुद्दा होगा। अभी 1971 की जनगणना के आधार पर सीटें फ्रीज हैं। तब से दक्षिण-पश्चिम के राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण में कामयाबी पाई, जबकि उत्तर-मध्य के राज्यों की आबादी तेजी से बढ़ी। सिर्फ जनसंख्या को आधार बनाएंगे तो संसद में शक्ति संतुलन बिगड़ेगा। इसका हल क्या हो?

लोक सभा में 16-17 अप्रैल 2026 को 131वें संविधान संशोधन बिल और संबंधित Delimitation Bill पर बहस हुई। सरकार ने प्रस्ताव दिया कि लोकसभा की कुल सदस्य संख्या 543 से बढ़ाकर 850 कर दी जाए।सरकार का मानना था कि इस से महिला आरक्षण (33 %) को बिना किसी श्रेणी की कोई मौजूदा सीट घटाए लागू किया जा सकता है। वर्तमान 543 में ही सीधे 33 % आरक्षण लागू करें तो पुरुषों के लिए सीटें कम हो जाएंगी। इसलिए कुल सीटों को लगभग 50 इ बढ़ाकर (543+ 50% करीब 815-850) करने की बात बिल में रखी थी। अधिकतम 850 ऊपरी सीमा बताई गई थी। सीटों का पुनर्निर्धारण 2011 णहेले के आधार पर होना प्रस्तावित था।

आगे बढ़ें, इस से पहले कुछ दूसरे देशों में जनता से सीधे चुन कर आने वाले सदस्यों की सदनों में संख्याओं पर नजर डालना ठीक रहेगा :-फ्रांस में 577 सदस्य, जर्मनी में 630 सदस्य, रूस में450 सदस्य, चीन में 2,878 सदस्य इन सदनों में होते है। तुलना करते वक्त भारत और इन देशों की जनसंख्या को ध्यान में रखना चाहिएं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 81 के तहत लोकसभा की सदस्य संख्या तय की गई है। प्रथम लोकसभा के लिए, 1950 की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर औसतन एक सीट प्रति 7,20,000 जनसंख्या का आधार लिया गया था। पूरे देश के लिए कुल 401 निर्वाचन क्षेत्र बने और इस आधार पर पहला सार्वभौम वयस्क मताधिकार वाला चुनाव हुआ। 1951 जनगणना के आधार पर हुए परिसीमन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सीटें बढ़कर 494 हो गईं। 1963 में परिसीमन आयोग ने 1961 जनगणना के आधार पर और 1956 में राज्यों के पुनर्गठन सीटें बढ़कर 522 हुईं ।1971 जनगणना के बाद सीटें बढ़कर 543 हुई और यही संख्या है।

1976 के 42वें संशोधन ने 1971 जनगणना के आधार पर सीटों का राज्य-वार आवंटन फ्रीज कर दिया इसे 2001 में 84वें संशोधन द्वारा 2026 तक बढ़ाया गया। 2002 Delimitation ने सीटों की कुल संख्या नहीं बदली, सिर्फ सीमाएं समायोजित कीं।

यह भी याद रखना होगा कि भारतीय संविधान में दूसरे संशोधन, 1952 की के द्वारा "not less than one member for every 750,000 of the population and" हटा दिया गए और इस प्रकार 7,50,000 की अधिकतम सीमा पूरी तरह हटा दी गई। केवल 5,00,000 की कम से कम जनसंख्या सीमा बनी रही जिसे भी बाद के संशोधनों में हटा दिया।

वर्तमान में कुछ प्रांतों की सीटों की स्थिति पर विचार करें। लोकसभा में 543 में से उत्तर प्रदेश के 80, बिहार 40, महाराष्ट्र 48 सीट, तमिलनाडु 39, केरल 20 सीट और राज्यसभा में उत्तर प्रदेश के 31, महाराष्ट्र 19, तमिलनाडु 18, केरल 9 सदस्य है। आशंका है कि 2026 के बाद अगर केवल जनसंख्या आधार माना तो ळइ-बिहार की लोकसभा सीटें 200 पार कर सकती हैं। तमिलनाडु-केरल की सीटें आनुपातिक रूप से घटेंगी। इससे जिन राज्यों ने परिवार नियोजन लागू किया, उन्हें 'सजा' मिलेगी और राज्यों और केंद्र के तथा आपस में राज्यों के बीच अविश्वास बढ़ेगा।देश के संविधान में उल्लेखित संघवाद की भावना क्षीण होगी।

संविधान क्या कहता है

अनुच्छेद 81: लोकसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व जनसंख्या के अनुपात में होगा।

अनुच्छेद 82: हर जनगणना के बाद परिसीमन होना है, पर 42वां और 84वां संशोधन कर 2026 तक इसे टाल दिया गया। अनुच्छेद 80: राज्यसभा राज्यों का सदन है, पर सदस्य संख्या जनसंख्या पर आधारित है।संविधान 'जनसंख्या' और 'संघीय संतुलन' दोनों की बात करता है। इसलिए इस गंभीर प्रश्न पर अत्यंत गंभीरता पूर्व मनन किया जाकर देश हित में निर्णय आवश्यक है। जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को मान्यता भी मिले और राज्यों के बीच संघीय संतुलन भी कायम रहे। किसी राज्य को यह नहीं लगना चाहिए कि उसे प्रगतिशील नीतियों के सफल क्रियान्वयन करने की सजा मिल रही है। इसके साथ ही संघीय आय व राजस्व में पिछड़े, विशेष समस्याओं वाले राज्यों का उचित ख्याल रखा जाए।

इस संबंध में कई प्रस्ताव विभिन्न राजनीतिक दलों व नेताओं, स्वतंत्र विचारकों, संविधान के ज्ञाताओं के विचार संसद में, समाचार पत्रों में, टीवी चैनल्स पर सामने आए है।

एक प्रस्ताव है ----राज्यसभा में हर राज्य से 5,7 सांसद हों अर्थात राज्य सभा में प्रतिनिधित्व जनसंख्या के अनुसार न हो। राज्य सभा 'राज्यों का सदन' है। उदाहरणार्थ अमेरिका की सीनेट में हर राज्य से 2 सदस्य होते हैं, चाहे कैलिफोर्निया हो या अलास्का। इससे छोटे राज्यों को संघ में बराबरी मिलती है।

क्या भारत में इस पर, किसी अन्य प्रकार से विचार किया जा सकता है? एक आधार हो सकता है, 250 सीटों में से हर राज्य/ को 1 या 2 या 3 सीट कुल 36/72/108 सीट मिलें। वर्तमान संख्या 350 में से बाकी 214 /178/142 सीटें क्षेत्रफल 25%, राजस्व योगदान 25%, मानव विकास सूचकांक 25%, अनुसूचित क्षेत्र/सीमावर्ती 25% के आधार पर बांटी जा सकती है। किसी राज्य विशेष के लिए अधिकतम सीमा 5 सदस्य प्रति राज्य रखी जा सकती । इस से सिक्किम, गोवा, नॉर्थ-ईस्ट की आवाज मजबूत होगी। तमिलनाडु, महाराष्ट्र को भी जनसंख्या घटने की 'सजा' नहीं मिलेगी। हां, यह अवश्य है कि UP, बिहार जैसे राज्यों को लगेगा कि उनके प्रदेश का प्रतिनिधित्व घटा।

एक अन्य विकल्प यह हो सकता है कि संविधान संशोधन कर राज्यसभा को योजनाओं पर पूर्ण बहस व संशोधनों का अधिकार दिया जाए। वर्तमान संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार वित्त विधेयक लोकसभा में ही पास होता है। राज्यसभा सिर्फ सुझाव दे सकती है।

संविधान का अनुच्छेद 110 बदले बिना भी राज्य सभा में संसदीय समिति बनाकर की सभी 500 करोड़ से ऊपर की योजनाएं पहले राज्यसभा में विस्तृत बहस के लिए भेजी जा सकती है। इस से जिन योजनाओ का असर राज्यों पर पड़ता है, उन पर राज्यों के सदन को पूर्व-समीक्षा का अधिकार मिले। इससे संघीय भावना बढ़ेगी। संसाधन बंटवारे में वित्त आयोग की सिफारिश पर राज्यसभा में बहस व समर्थन अनिवार्य हो।

लोकसभा सीटों का राज्यों में वितरण के लिए भी

सिर्फ जनसंख्या से हटकर 'बहु-सूचकांक फॉर्मूला' अपनाया जा सकता।यदि केवल जनसंख्या को आधार मानें तो 10,15,20 लाख को जनसंख्या पर एक लोक सभा सीट निर्धारित हो तो संख्या इस प्रकार हो सकती है:-1420, 940, 720 ।

एक प्रस्ताव के अनुसार, 2026 की जनसंख्या के आधार पर संविधान में उल्लेखित कुल 543 की सदस्य संख्या का 50% अथवा अन्य कोई प्रतिशत जो संसद तय करे, उसके अनुसार, एक व्यक्ति एक वोट के अनुसार रखी जा सकती है। लोकसभा में 10% प्रतिनिधित्व क्षेत्रफल के आधार पर विभाजित किया जा सकता है जिस से राजस्थान जैसे बड़े पर कम घनत्व वाले राज्यों का महत्व मिलेगा।

अन्य बिंदु जिन का लोकसभा सीटों के पुनर्वितरण पर ध्यान रखा जा सकता है, वे यह हो सकते हैं :- राजस्व एकत्रीकरण:: ---महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु जो जीएसटी-आयकर में 15इ ज्यादा देते हैं, उन्हें महत्व मिलेगा। विकास व्यय गती::-- पिछले 10 साल में पूंजीगत व्यय के आधार पर अर्थात राज्य में पैसा जमीन पर लगाया उसके आधार पर। मानव विकास सूचकांक अर्थात HDI + पिछड़ापना भी पैमाने में हो। केरल का प्ळ्झ ऊंचा है तो उसे इनाम मिलना चाहिए। बिहार, झारखंड का कम है तो उनको 'हैंड-होल्डिंग' के लिए सीट बढ़ा कर दी जा सकती है। किस बिंदु को कितना भार देना है, यह संसद तय करे।

सीट कैसे तय हो:---- एक उदाहरण के जरिए हम यों समझे सकते है::-कुल 543 सीट स्थिर रखें। हर राज्य का स्कोर् 0.5x जनसंख्या अंश + 0.1x क्षेत्रफल अंश +0.15 HDI के इंडेक्स के अनुसार +0.15 पिछड़ापन इंडेक्स के अनुसार...अथवा संसद द्वारा तय अन्य किसी अनुपात /वेटेज(महत्व, भार) में इन बिंदुओं को ध्यान में रख कर बनाया जाए और संसद से स्वीकृत हो। इस स्कोर पर सीट बांटी जा सकती है।

संतुलन के लिए 3 संवैधानिक सुरक्षा-कवच रखे जा सकते है। किसी भी राज्य की 1971 की सीटो से 10/20% से ज्यादा न घटे। इससे दक्षिण को भरोसा मिलेगा। राज्यों के अधिकार क्षेत्र की सूची वाले विधेयक राज्यसभा में 2/3 बहुमत से ही पास हों अर्थात कुछ मामलों में राज्यसभा को एक प्रकार का वीटों मिले।

दक्षिण-नॉर्थ-ईस्ट समूह का गठन किया जाए। लोकसभा-राज्यसभा में 10 से कम सीट वाले राज्यों का एक वैधानिक 'संसदीय समूह' बने और उसे लोकसभा में एक स्वतंत्र ग्रुप की हैसियत मिले । उसे प्रश्नकाल और अन्य महत्वपूर्ण सवालों पर होने वाली बहसों में उस समूह को समूह की सदस्यों की संख्या के अनुसार अतिरिक्त समय मिले। इसके लिए दक्षिण-नॉर्थ-ईस्ट ग्रुप को विशेष प्रकार की संसदीय अनुमति मिले।

आगे का रास्ता

1. परिसीमन आयोग 2026: इसमें सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज, लोक सभा और राज्य सभा में पक्ष व प्रति पक्ष अथवा सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता द्वारा नामित एक एक सदस्य, केंद्रीय चुनाव आयोग के एक आयुक्त, नीति आयोग से एक सदस्य, राज्य के मुख्य सचिव आदि इसके सदस्य हों।

2. राष्ट्रीय बहस: 'जनसंख्या बनाम योगदान' पर सभी विधानसभाओं में प्रस्ताव पास कराएं।

3. संविधान संशोधन:अनुच्छेद 81,82,80 में 'बहु-सूचकांक' शब्द जोड़ें। इसके लिए 2/3 बहुमत‌ इ आधे राज्यों की सहमति चाहिए।

निष्कर्ष यह माना जा सकता है कि निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना और परिसीमन को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता, पर 'सिर्फ हेड-काउंट' भारत जैसे संघीय देश में खतरनाक होगा। लोकसभा में 50इ भार जनसंख्या को देकर बाकी 50अ भार क्षेत्रफल, राजस्व, प्ळ्झ, पिछड़ेपन को दें। राज्यसभा को '1-5 फॉर्मूला' पर लाकर असली 'काउंसिल ऑफ स्टेट्स' बनाएं और उसे योजनाओ पर बहस, संशोधनों का अधिकार दें।

इससे UP-बिहार को बढ़ा प्रतिनिधित्व भी मिलेगा और तमिलनाडु-केरल को लगेगा कि उनके परिवार नियोजन की मेहनत बेकार नहीं गई। शक्ति संतुलन बचेगा, और संघीय ढांचा मजबूत होगा।

कुछ विद्वानों का यह भी सुझाव है कि संसद को जनहित के मुद्दों पर बहस ध्यानाकर्षण, स्वतंत्र विधेयक प्रस्तुतीकरण आदि के लिए ओर अधिक उपयोगी बनाया जा सकता है। इसके लिए संसद की न्यूनतम अनिवार्य बैठको के दिन, संख्या संविधान संशोधन कर लाज़मी की जाएं। ब्रिटेन की संसद व्यवहारिक रूप से हर साल 100 से 150 दिन बैठकें करती है। फ्रांस में जनता का चुना हुआ सदन कमसे कम 120 दिन बैठकें करता है। जर्मनी का जनता से चुना सदन छुट्टियों को छोड़कर सदैव बैठता है। चीन की नेशनल पीपुल कांग्रेस साल में 1 बार 10 से 14 दिन बैठक करती है। रूस में दो सत्र होते है, जनवरी से जुलाई और सितम्बर से दिसंबर की अवधि में।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए भारत की संसद की बैठकों पर विचार करें तो देखते है कि 2019 ए 2024 के बीच 17 वीं लोकसभा 5 साल में 274 दिन बैठी अर्थात 52 दिन सालाना औसत। 1952 से 1970 की अवधि में औसतन 120 से 140 दिन सालाना बैठकें हुई और यह लोकसभा बैठकों का सर्वोत्तम औसत स्कोर है।

543 की सदस्य संख्या पर ही सांसदों को अपनी बात रखने का बहुत कम समय मिलता है तो यदि विशुद्ध जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्र बनाकर सदस्य संख्या बढ़ाने जाएंगे तो लोकसभा व विधानसभाओं में सारे जनप्रतिनिधियों का क्या योग दान होगा, जब उन्हें पर्याप्त समय ही नहीं मिलेगा??? इस पर भी ध्यान देना जरूरी है। संसद में ज्यादा अच्छे सुझाव, प्रस्ताव, विधेयक आएं, अच्छी गुणवत्ता वाली बहस हो तो यह लाज़मी होगा कि सालाना बैठकों की संख्या बढ़े, शून्य काल का समय बढ़े, प्राइवेट मेंबर्स बिल पेश करने के लिए दिन तय हो।

पार्टीयों को समय देने के बजाए समय सदस्यों को आवंटित किया जाए।पार्टियां तो व्हिप जारी करती है और कुछ चुने हुए सांसदों को ही बोलने का मौका देती है। व्हिप के कारण अधिकांश सांसदों के स्वतंत्र विचार, सुझावों से देश और सदन महरूम रह जाता है।

एक अन्य सुझाव कई लोग देते है कि विधेयकों पर बहस के समय, बजट बहस के समय, सरकार द्वारा प्रस्तुत किसी भी प्रस्ताव पर सदस्य अपने भाषण के दो भाग करें। सदन में मौखिक रूप से, वे अपने निर्धारित समय में केवल अपने भाषण, सुझावों के मुख्य बिंदु बोले तथा उनके संबंध में विस्तृत उदाहरण, फैक्ट्स आदि लिखित भाषण में संसद के पटल पर प्रस्तुत करदे जो सदन कार्यवाही विवरण में उनके भाषण का अंश हो जाए।इस से ज्यादा सांसदों को ज्यादा समय अच्छे सुझाव, अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं को सदन में रखने का अवसर मिलेगा। एक चौंकाने वाला आंकड़ा देखिए, 17 वीं लोकसभा में लगभग 50 बहस का समय केवल 15% सांसदों ने लिया, करीब 20% संसद 5 साल में एक बार भी नहीं बोले। ओर भी चौंकाने वाला आंकड़ा देख लें, 16 वीं, 17 वीं लोकसभा में क्रमशः 16, 22 समय हंगामों में गया। कई लोगों का यह भी विचार है कि चुने हुए जन प्रतिनिधि अपने निर्वाचकों से ज्यादा से ज्यादा संपर्क में रह सकें इसके लिए उन्हें साल में 1,2 बार 10,20 मिनट के लिए टीवी पर जनता से मुखातिब होने का समय दिया जा सकता है जिसका भुगतान सरकारें करें। इसको अधिक से अधिक सुनाने दिखाने की सुविधा के लिए सार्वजनिक स्थलों पर स्क्रीन्स के जरिए की जा सकती है। इस से कुछ हद तक इस आपत्ति का हल हो सकता है कि 15,20 लाख की जनसंख्या के लगातार संपर्क में रहना किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए बहुत मुश्किल कार्य है और इसलिए निर्वाचन क्षेत्र बढ़ाए जाने चाहिए।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

डूंगरपुर जिले के बोखला पाल स्थित विद्यालय में शिक्षकों की कमी, छात्र परेशान

करीब 600 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले इस स्कूल में वर्तमान में 16 शिक्षक कार्यरत हैं

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के बोखला पाल स्थित चंदूलाल गुप्ता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की भारी कमी सामने आई है। यहां पिछले डेढ़ साल से 33 स्वीकृत पदों में से 17 पद खाली पड़े हैं। इस गंभीर स्थिति के कारण छोटी कक्षाओं के छात्रों को पढ़ाने के लिए अब बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को गुरुजी की भूमिका निभानी पड़ रही है।

करीब 600 से ज्यादा विद्यार्थियों वाले इस स्कूल में वर्तमान में 16 शिक्षक कार्यरत हैं। शिक्षकों की कमी के चलते विद्यालय में विषयवार पढ़ाई पूरी तरह से प्रभावित हो रही है, जिससे छात्रों का भविष्य अधर में है। विद्यालय में हिंदी विषय के 3 पद, राजनीतिक विज्ञान के 2 पद, जबकि भौतिकी, अंग्रेजी, गणित, सामाजिक विज्ञान और संस्कृत के 1-1 पद लंबे समय से रिक्त हैं। इन महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों की अनुपस्थिति से छात्रों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ रहा है। शिक्षकों के अलावा विद्यालय में लाइब्रेरियकन, उप प्रधानाचार्य, अतिरिक्त एवं सहायक प्रशासनिक अधिकारी, जमादार और चतुर्थ श्रेणी कर्मियों के पद भी खाली पड़े हैं। स्टाफ की कमी से11 वीं और 12 वीं कक्षा के छात्र-छात्राएं छोटी कक्षाओं में अध्यापन कार्य करा रहे हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 9 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र रात्रि 11:25 तक, शुक्ल योग रात्रि 2:36 तक, बव करण दिन 2:03 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सवार्थ सिद्धि योग रात्रि 11:23 तक है। आज कालाष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:26 से 9:05 तक, चर 12:23 से 2:02 तक, लाभ-अमृत 2:02 से 5:20 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:47, सूर्यास्त 7:00

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेंगी और व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 18 संख्याः 10 प्रभात चूरू, शनिवार 9 मई, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

अजीबो-गरीब तर्क दिए जा रहे हैं, वेणुगोपाल को मु.मंत्री बनाने के लिए

एक तर्क है कि आगामी यूपी चुनाव व 2029 के आम चुनाव की दृष्टि से पार्टी को हिन्दी भाषी संगठन महासचिव चाहिए, अतः वेणुगोपाल को संगठन महासचिव से हटाकर मु.मंत्री बनाकर, केरल भेज देना चाहिए

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। केरल में भारी मतों से जीत के बाद कांग्रेस पार्टी मुख्यमंत्री का चयन करने को लेकर भारी उलझन में है। हर नजरिए से के.सी. वेणुगोपाल इस रेस में आगे हैं, क्योंकि उन्होंने टिकटों का वितरण किया है और इस कारण कई विधायकों की कथित वफादारी उनके पक्ष में है।

लेकिन ज़मीन पर हकीकत कुछ और ही है।

केरल भर में कांग्रेस के लोग और यहां तक कि कांग्रेस के समर्थक और मतदाता के.सी. वेणुगोपाल के खिलाफ जुलूस निकाल रहे है और प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके पोस्टर और पुतले जला रहे हैं, उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के खिलाफ खुला विरोध जता रहे हैं।

- अब, पुराना तर्क है कि विधायकों का बहुमत वेणुगोपाल के पक्ष में है, नहीं दोहराया जा रहा, क्योंकि सभी जानते हैं कि वेणुगोपाल ने केरल में टिकट बाँटे हैं। अतः विधायकों की सतही वफादारी वेणुगोपाल के पक्ष में तो होगी ही।
- विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन की टिकट वितरण में कोई भूमिका नहीं थी। अतः सतही तौर पर, सतीशन के पक्ष में बोलने वाले बहुत कम विधायक हैं। पर, सतीशन के सीपीएम सरकार के खिलाफ विधानसभा में पाँच साल तक चलाए गए संघर्षपूर्ण अभियान के लिए विधायकों में बहुत आदर है। अतः अगर सतीशन को मु.मंत्री नहीं बनाया गया तो कांग्रेस विधायक दल बिखर सकता है।
- क्या इस बिखराव का जोखिम उठाकर भी कांग्रेस वेणुगोपाल पर दांव लगाएगी?
- सतीशन, रमेश चैन्नितथाला, वेणुगोपाल आदि को रविवार को दिल्ली बुलाया गया है तथा पार्टी के समक्ष दुविधा पर मंथन कर, समाधान निकालने की एक बार फिर चेष्टा होगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने छात्राओं की माँग तुरंत पूरी की

जयपुर/सीकर, 8 मई। 'बेटी पढ़े, बेटी बढ़े' की भावना को साकार करते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील कार्यशैली का एक अनूठा उदाहरण सामने आया है। जिला सीकर के ब्लॉक खंडेला स्थित जाजोद गांव की बालिकाओं ने रात्रि चौपाल में मुख्यमंत्री से जो मांग रखी, वह आज सुबह होते-होते पूरी हो चुकी थी। गुरुवार को रात्रि चौपाल के दौरान जाजोद गांव की कई छात्राएं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलीं और अपनी पीड़ा साझा की। उन्होंने बताया कि उनके राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाजोद में विज्ञान संकाय की सुविधा नहीं है, जिसके कारण उन्हें या तो मजबूरी में अन्य विषयों से पढ़ाई करनी पड़ती है या फिर विज्ञान पढ़ने के लिए घर से काफी दूर जाना पड़ता है। बालिकाओं की बात सुनकर मुख्यमंत्री ने तत्काल उन्हें आश्वासन दिया कि उनके स्कूल में विज्ञान संकाय अवश्य खोला जाएगा। रात को ही उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दे दिए।

- रात्रि चौपाल में छात्राओं ने विज्ञान संकाय की माँग की, मुख्यमंत्री ने सुबह संकाय खोलने की घोषणा कर दी।

शुक्रवार सुबह जब बालिकाएं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारे 300 से अधिक कार्यकर्ता को पीछा करके मारा गया था'

''उस समय शुभेन्दु अधिकारी ने पार्टी को बाँधे रखा था और तुरंत भाग कर वहाँ पहुँचते थे, जहाँ जब भी पार्टी संकट में होती थी''

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। सभी अनिश्चितताओं को दरकिनार करते हुए शुभेन्दु अधिकारी को नव निर्वाचित भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया गया।

इसी बीच, कोलकाता में एक क्रांति चल रही है। न्यू टाउन क्षेत्र में कन्वेंशन सैंटर से दूर, नए मुख्यमंत्री की घोषणा की गई, कोलकाता की ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग, जो कभी भारत में ब्रिटिश साम्राज्य का इंपीरियल सेक्रेटेरियट हुआ करती थी, आज अपने मूल लाल रंग के ऊपर चमक रही केसरिया रोशनी में सजी हुई है।

वर्षों की उपेक्षा और खस्ता हालत के बाद, जब राइटर्स बिल्डिंग वीरान हो गई थी और राज्य का प्रशासनिक मुख्यालय यहाँ से शिफ्ट हो गया था, डलहौजी स्क्वायर आज रात एक रहस्यमय आभा बिखेर रहा है, जिसका प्रतिबिंब ''लाल दीघी'' (मानव निर्मित विशाल तालाब) में नज़र आ रहा है।

- इस माहौल में शुभेन्दु के अलावा किसी और को मु.मंत्री पद का उम्मीदवार बनाना, पार्टी में भारी निराशा व विरोध पैदा करता।
- इस अवसर पर बड़े सोच समझकर, कई पुरानी परम्पराएं पुनः जीवित की गई। शुभेन्दु अधिकारी के मु.मंत्री बनने की घोषणा ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग से की, जो कभी ब्रिटिश शासन में ब्रिटेन के साम्राज्य का शाही सचिवालय था। बीच में शासन न्यू टाउन एरिया के कन्वेंशन सैंटर से चलाया जाने लगा था, तथा राइटर्स बिल्डिंग वीरान सी पड़ी रहती थी।
- आज इस अवसर पर, पुराने स्मरणीय स्थल, जैसे, डलहौजी स्क्वायर, पश्चिम बंगाल के विधानसभा भवन को भगवा रोशनी कर जगमगाया गया था, जो कल तक लाल रंग में डूबा रहता था।

मानो राइटर्स बिल्डिंग से प्रतिस्पर्धा करते हुए, पश्चिम बंगाल विधानसभा भवन, जो कभी इंपीरियल लेजिस्लेचर हुआ करता था, भी केसरिया रंग में नहा रहा है।

और नई सरकार द्वारा सत्ता संभालने से पहले ही, राज्य-स्वामित्व वाले आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज में हुई महिला डॉक्टर की मौत की जाँच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीवीके के सभी 107 विधायकों ने इस्तीफा देने की धमकी दी थी

क्योंकि डीएमके और अन्नाद्रमुक के गठबंधन कर सरकार बनाने की कोशिश करने की संभावना उभरी थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। विजय की तमिलगा वेत्री कज़गम (टीवीके) ने चेतावनी दी है कि अगर दो द्रविड़ीय पार्टियों में से कोई भी, एम.के. स्टालिन की द्रमुक (टीएमके) या ई. पलानीस्वामी की अन्नाद्रमुक तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश करने की कोशिश करता है, तो पार्टी के सभी विधायक इस्तीफा दे देंगे।

यह निर्णय द्रमुक और अन्नाद्रमुक शिविरों में हुई दो महत्वपूर्ण बैठकों के तुरंत बाद आया। टीवीके को संदेह है कि दोनों पार्टियाँ राज्य में सरकार बनाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं, जिससे वह पार्टी बाहर हो जाए, जिसने जनमत में सबसे अधिक वोट पाए।

टीवीके, जिसने 107 सीटें जीतीं, का कहना है कि अकेली सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

- दोनों द्रविड़ दलों के साथ आने की संभावना इसलिए उभरी थी, क्योंकि डीएमके के युवा नेताओ को भय है कि अगर विजय मुख्यमंत्री बन गए तो वे दूसरे एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) साबित होंगे, जिन्होंने एक बार मुख्यमंत्री बनने के बाद अपने जीते जी डीएमके को सत्ता के पास भी नहीं फटकने दिया।

लेकिन आज सुबह, राज्यपाल आर.वी. अरलेकर ने विजय को सरकार बनाने का दावा पेश करने की अनुमति नहीं दी, यह कहते हुए कि उनके पास आवश्यक संख्या नहीं है। उन्होंने वह योजना भी स्वीकार नहीं की, जो विजय ने बहुमत का आंकड़ा पाने के लिए प्रस्तुत की थी। सूत्रों के अनुसार, यह बैठक - दो दिनों में दूसरी, राज्यपाल ने इस शर्त पर समाप्त की कि अभिनेता-राजनेता को 118 विधायकों से समर्थन पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

राज भवन की एक सूचना में कहा गया कि राज्यपाल ने ''तमिलनाडु विधान सभा में सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत समर्थन स्थापित नहीं होने'' की बात समझाई।

टीवीके को बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 10 और सीटों की जरूरत है और उसके पास पहले से ही कांग्रेस का समर्थन है, जिसके पांच विधायक हैं। शेष सीटों के लिए लेफ्ट और कुछ छोटी पार्टियों के साथ बातचीत जारी है। सूत्रों ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत

जयपुर, 8 मई। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को साल 2026 की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत का शुभारंभ जयपुर पीठ में एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा सुबह 8.30 बजे करेंगे। प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम शर्मा अत्रि ने बताया कि हाईकोर्ट सहित, सभी अधीनस्थ अदालतों में लोक अदालत के तहत कुल 479 बैंचों का गठन किया गया है, जिनमें कुल 7.77 लाख से अधिक मुकदमों को सूचीबद्ध किया गया है। लोक अदालत में ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों तरह से प्रकरणों का निस्तारण किया जाएगा।

- मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा शुभारंभ करेंगे।

विजय आज शपथ लेंगे तमिलनाडु के मु.मंत्री पद की

अन्ततोगत्वा तमिलनाडु के राज्यपाल को स्वीकार करना पड़ा कि उनकी ज़िद बेबुनियाद थी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। कांग्रेस, वीसीके, सीपीआई के समर्थन के साथ बहुमत का आंकड़ा पार करते हुए, टीवीके प्रमुख विजय ने आज शाम तमिलनाडु में सरकार बनाने का दावा पेश किया। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ अरलेकर ने लंबे समय तक चली अटकलों, अफवाहों और अनिश्चितता को समाप्त करते हुए उन्हें कल सुबह 11 बजे शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया है।

इस घटना कुछ ही घंटे पहले जब लेफ्ट पार्टियों ने टीवीके को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की। विजय की पार्टी, जिसने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में 108 सीटें जीतीं, पहले सीपीआई, सीपीएम और वीसीके, जो सभी द्रमुक की सहयोगी हैं, से सरकार बनाने के लिए समर्थन मांग चुकी थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, टीवीके को आईयूएमएल को का समर्थन भी प्राप्त हुआ है, जिससे गठबंधन का बहुमत 120 सीटों तक पहुँच गया।

- शुक्रवार को राज्यपाल के साथ तीसरी मुलाकात में विजय ने कांग्रेस के अलावा वीसीके, दोनों वामपंथी दलों (सीपीआई और सीपीआईएम) और आईयूएमएल के समर्थन का प्रमाण पेश किया, जिसके बाद राज्यपाल को उन्हें सरकार बनाने का आमंत्रण देना ही पड़ा।
- तमिलनाडु की 234 सदस्यीय विधानसभा में टीवीके के 107 विधायक हैं, उसे कांग्रेस के 5, वीसीके के दो, सीपीआई के दो, सीपीआईएम के दो व आईयूएमएल के दो विधायकों का भी समर्थन मिल गया है, इस प्रकार विजय के पास 120 विधायकों का समर्थन है।
- विजय को सबसे बड़ी सफलता तब मिली, जब वीसीके ने उन्हें समर्थन देने की घोषणा की और इसके लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वीसीके प्रमुख को मनाया था।

सप्ताह में राज्यपाल के साथ विजय की यह तीसरी मुलाकात थी, जिसमें उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल के पास अब विजय के दावे को खारिज करने का कोई बहाना नहीं बचा।

टीवीके के एक सूत्र ने बताया कि बैठक के दौरान विजय ने सरकार बनाने के संबंध में अपना पक्ष प्रस्तुत किया।

संख्या बल अब विजय के पक्ष में है। टीवीके के पास 234-सदस्यीय विधानसभा में 107 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस ने अपने पांच विधायकों के साथ समर्थन दिया है। सीपीआई और सीपीएम, जिनके दो-दो विधायक हैं, ने भी आंतरिक बैठकों के बाद टीवीके का समर्थन किया। विदुथलई चिरुथाइगल काच्ची (वीसीके), जिसके पास दो विधायक हैं, ने भी विजय का समर्थन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टीवीके को कांग्रेस का समर्थन अवसरवादी राजनीति - मणिशंकर अय्यर

नई दिल्ली, 08 मई। पूर्व केन्द्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने के कांग्रेस के फैसले को शुक्रवार को अवसरवादी करार दिया। उन्होंने कहा कि यह सुविधा की राजनीति तथा महात्मा गांधी की 1925 के उस कथन का अक्षम्य उल्लंघन है कि स्वराज का मतलब नैतिकता पर आधारित सरकार होना चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कहा कि कांग्रेस ने टीवीके के विजय को अपने साथ जोड़कर अनैतिक कृत्य किया है।

- पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने इसे अनैतिक कृत्य बताया।

मणिशंकर ने कहा, द्रमुक के साथ चुनाव लड़ने के तुरंत बाद उस टीवीके के साथ गठजोड़ करने का फैसला बहुत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कनिमोई ने संसद में डीएमके सांसदों के लिए अलग स्थान मांगा

यह अनायास लिया गया निर्णय नहीं है, इसका सबसे मुख्य कारण है, द्रमुक यह नहीं दिखाना चाहती कि उसने कांग्रेस के सामने घुटने टेक दिए हैं, इसलिए कांग्रेस के टीवीके को समर्थन देने पर वह इस प्रकार विरोध जता रही है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 मई। द्रमुक नेता कनिमोई ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर, द्रमुक सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की। उनकी पार्टी अब कांग्रेस से अलग हो चुकी राजनीतिक गलियारों में इसे केवल संसदीय व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि कहीं अधिक गंभीर राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इसका अर्थ 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी खेमे में गहरी राजनीतिक और वैचारिक दूरी के सार्वजनिक संकेत के रूप में लगाया जा रहा है।

यह घटना तमिलनाडु में राजनीतिक समीकरणों में तेजी हुए से बदलाव के बीच आई है, जहां अभिनेता-राजनेता विजय के उभरने के साथ ही, राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की एकता के भविष्य को लेकर बढ़ती अनिश्चितता देखी जा रही है।

कई वर्षों तक द्रमुक और कांग्रेस मिलकर तमिलनाडु में प्रमुख एंटी भाजपा धुरी का प्रतिनिधित्व करती रही हैं। उनका गठजोड़ अक्सर धर्मनिरपेक्ष विपक्षी राजनीति के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाता था। हालांकि, संसद में अलग बैठने की मांग अब प्रतीकात्मक रूप से उस सहजता में कमी को दर्शाती है।

- कनिमोई ने जिस तरह से यह फैसला लिया है, वह पार्टी में उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत है। डीएमके में यही व्यवस्था रही है कि स्टालिन राज्य संभालेंगे और कनिमोई दिल्ली में पार्टी को नेतृत्व देंगी।
- अब चूंकि स्टालिन विधानसभा चुनाव हारने के बाद मुख्यमंत्री नहीं रहे हैं, इसलिए कनिमोई का प्रभाव बढ़ रहा है।

राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि यह कदम द्रमुक की बढ़ती चिंता को दर्शाता है, क्योंकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद तमिलनाडु में नए राजनीतिक समीकरण तलाश रही है। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेता राज्य में नए क्षेत्रीय दलों के उभरने और मतदाताओं की बदलती आकांक्षाओं के बीच द्रमुक पर अपनी दीर्घकालिक निर्भरता का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं।

संसद में अलग बैठने की मांग को इस बात का संकेत भी माना जा रहा है कि द्रमुक संसद में अपनी स्वतंत्र क्षेत्रीय पहचान को मजबूत करना चाहती है, विशेष रूप से संघवाद, भाषा राजनीति और प्रस्तावित सीमा-निर्धारण प्रक्रिया जैसे मुद्दों पर, जहां पार्टी ने दक्षिणी राज्यों पर केन्द्रित आक्रामक रुख अपनाया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस कदम से पहले ही आम चुनावों के बाद कई क्षेत्रीय मतभेदों का सामना कर चुके इंडिया ब्लॉक की एकजुटता पर भी सवाल उठता है। कई विपक्षी पार्टियां निजी तौर पर डरती हैं कि राज्यों में राजनीतिक मजबूरियां अंततः राष्ट्रीय विपक्षी एकता को प्रभावित कर सकती हैं। द्रमुक के भीतर भी यह घटना कनिमोई द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय राजनीतिक संदेशों को आकार देने में निभाई जा रही बढ़ती संसदीय भूमिका को उजागर करती है। जहाँ मुख्यमंत्री एम के स्टालिन तमिलनाडु में संगठन का नेतृत्व कर रहे हैं, वहीं कनिमोई दिल्ली में पार्टी की प्रमुख राजनीतिक आवाज़ों में से एक के रूप में उभर रही हैं।

सतही स्तर पर यह केवल बैठने की एक साधारण पुनर्व्यवस्था दिखाई दे सकती है, लेकिन यह राष्ट्रीय राजनीति में विपक्ष के बड़े पैमाने पर पुनर्गठन की शुरुआत हो सकती है।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' नहीं हटाया

कोलकाता, 08 मई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में सत्ता परिवर्तन की चर्चाओं के बीच तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी एक बार फिर राजनीतिक बहस के केन्द्र में आ गई हैं। इस समय वे मुख्यमंत्री पद पर नहीं हैं, लेकिन उनके सोशल मीडिया प्रोफाइल पर अब भी उनकी पहचान मुख्यमंत्री के रूप में दर्ज है। इसे लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में नई बहस शुरू हो गई है।

- लोग इसमें ममता का राजनीतिक संदेश देख रहे हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में ममता बनर्जी के सोशल मीडिया प्रोफाइल पर मुख्यमंत्री शब्द बने रहना केवल तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीकर के जाजोद में सड़कों पर घूम-घूमकर लोगों से मिले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पी और यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान किया

सीकर/जयपुर। सीकर के जाजोद गांव में गुरुवार को देर तक रात्रि चौपाल लगाने के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को सूरज निकलते ही फिर लोगों के बीच पहुंच गए। लोग घरों से निकले तो उन्होंने सड़क पर मुख्यमंत्री को गांव में टहलते हुए पाया। गांव की गलियों में सहजता के साथ भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री ने बुजुर्गों, महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, फल एवं सब्जी विक्रेताओं तथा युवाओं से संवाद किया और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने इस दौरान गांव में स्थित श्री गोपीनाथ जी मंदिर एवं शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारते हुए उनकी पढ़ाई-लिखाई के बारे में जानकारी ली तथा उन्हें चॉकलेट वितरित की।

सीकर के जाजोद गांव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घरों में जाकर लोगों से मुलाकात की।

- गांव की गलियों में भ्रमण करते हुये सीएम ने बुजुर्गों, महिलाओं, किसानों, पशु पालकों, सब्जी विक्रेताओं, युवाओं से संवाद किया

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पी और यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान कर डिजिटल ट्रांजेक्शन को भी प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव का जीवन प्रकृति के निकट, शुद्धता, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि शहरों की ओर पलायन की परिपाटी बदले और गांव आत्मनिर्भर विकास के सशक्त केंद्र बनें। मुख्यमंत्री ने किसानों से स्थानीय फसलों, कृषि उत्पादों एवं खेती की पारंपरिक पद्धितयों के बारे में जानकारी लेते हुए उन्हें आधुनिक एवं उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों के अभाव अभियोगों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल देते हुए कहा कि आमजन को राहत पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों पर संवेदनशीलता के साथ त्वरित निर्णय लेते हुए महत्वपूर्ण फैसले लिए। एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर मुख्यमंत्री ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उनके भीलवाड़ा में कार्यरत पुत्र को सीकर एवं झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, पलसाना (सीकर) में निरीक्षक पद पर प्रतिनियुक्ति देने के आदेश भी तत्काल प्रभाव से जारी करवाए। मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते को प्रदेश के किसानों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह समझौता भविष्य में जल संकट के समाधान तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान असीम संभावनाओं वाला प्रदेश है तथा राज्य सरकार विरासत संरक्षण के लिए हवेलियों के जीर्णोद्धार एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीण खासे उत्साहित दिखाई दिए।

ग्रामीणों ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने गांव में रात्रि विश्राम कर आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को निकटता से समझने और समाधान के प्रयास किए हैं। इस अवसर पर विधायक सुभाष मील और गोरधन वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

चिंकारा शिकार प्रकरण में दो आरोपी गिरफ्तार

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में आर्मी फील्ड फायरिंग रेंज पोकरण में मार्च 2026 तथा फरवरी 2024 में घटित चिंकारा शिकार प्रकरण में संभागीय मुख्य वन संरक्षक जोधपुर अनूप के आर तथा उप वन संरक्षक जैसलमेर कुमार शुभम के मार्गदर्शन में सहायक वन संरक्षक पोकरण चंद्रशेखर कौशिक तथा क्षेत्रीय वन अधिकारी छायण लक्ष्मण स्वामी के नेतृत्व में गठित वन विभाग की विशेष टीम ने उक्त चिंकारा शिकार प्रकरण में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उपवन संरक्षक कुमार शुभम ने बताया कि फील्ड फायरिंग रेज पोकरण में फरवरी 2024 में हुए चिंकारा शिकार प्रकरण में आरोपी राहुल उर्फ रावलराम भील निवासी रामदेवरा एवं मार्च 2026 में फील्ड फायरिंग रेंज पोकरण में घटित चिकारा शिकार प्रकरण में आरोपी डालाराम भील निवासी पोकरण को वन विभाग द्वारा गिरफ्तार कर अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पोकरण के समक्ष पेश करने पर दोनो आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। चिंकारा शिकार के उक्त प्रकरणों में फरार अन्य आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने के लिए वन विभाग की टीम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रकरणों में वन्य जीव अपराधियों को गिरफ्तार करने में रेज छायण के वनपाल झमकु, सहायक वनपाल जगदीश मेहडू वनरक्षक रामकिशोर जाखड़, अशोक रतनू, कविता स्वामी, मूलसिंह जोधा, मोहम्मद रमजान सहित अन्य वन कार्मिकों का विशेष योगदान रहा।

खेतड़ी : मकानों में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने कस्बे में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 90 हजार रूपए बरामद किए हैं।

- आरोपी से दो लाख रूपए का सामान व 90 हजार रूपए बरामद किये

थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 12 जनवरी को कस्बे के वार्ड 19 निवासी शीला पांडे ने रिपोर्ट दी कि वह 11 जनवरी को सुबह साढ़े आठ बजे घर के ताला लगाकर जयपुर गई थी। शाम के समय करीब सात बजे घर पर वापस आई और मेन गेट का ताला खोलकर मकान में आकर उपर गई तब देखा दोनों कमरों के ताले टूटे हुए थे। सीसीटीवी कैमरे टूटे हुए थे। किसी अज्ञात व्यक्ति ने बैड में रखे नकद रुपये व अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर लिये तथा कमरों में तोड़फोड़ कर डीवीआर भी चोरी कर ले गया। कस्बे में लगातार हो रही चोरियों को लेकर एसपी कावेंद्र सिंह सागर ने थानाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया तथा पुलिस टीम में पूर्व में खेतड़ी थाने में रहे कांस्टेबल राजवीर सिंह व एचसी चौखाराम को शामिल किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से आरोपी सोमवीर ऊर्फ मोटू पुत्र रोहिताश्व कुमावत निवासी वार्ड 18 चेलापुरी खेतड़ी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब दो लाख रूपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात व 90 हजार रूपये नकदी, चोरी किये गये रूपए से खरीदा हुआ कीमती मोबाइल फोन बरामद किया है। थानाधिकारी ने बताया कि चोरी की आरोपी के गहनता से पूछताछ की जा रही है। वारदात का खुलासा करने में डीएसटी टीम के कांस्टेबल राजवीर सिंह व एचसी चौखाराम की विशेष भूमिका रही। इस दौरान टीम में थानाधिकारी मोहनलाल, एचसी महेश, पवन कुमार, चौखाराम, कांस्टेबल राजवीर सिंह, अनिल कुमार आदि शामिल रहे।

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.
Gandhi Block, SwasthyaBhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005 (Raj.)
Phone No: 0141-2228066, 2228064, Website: http://rmsc.health.rajasthan.gov.in
E-mail :edpssrmsc@rajasthan.gov.in
No. :- F-8 () RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/RajKaj 22054142 Dated :- 07/05/2026
Corrigendum / Addendum
Corrigendum / Addendum Bid No. (NIB-933) for Item White Sharp Container (White Box) for revised technical specifications has been issued. Corrigendum / Addendum details may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.
UBN : MSC2526GLOB00056
Executive Director (EPM)
Raj.Samwad/C/26/2396 RMSCL

OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI (DISTT. DHOLPUR)
File no. 101 NOTICE INVITING BID Date: 05.05.2026
NIT NO 03/2026-27
NIB No. WSC2627A0181 YEAR 026-27
Bids for Construction of Percolation tank with safety wall-03 in PMKSY 2.0 Project area Block Bari Distt Dholpur total estimated value INR 23.88 lacs are invited from interested bidders up to time 06:00 PM Date 15-05-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN: WSC2627WSOB00299
(Prem Prakash Marmit)
EXECUTIVE ENGINEER
WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION
P.S. BARI (DISTT DHOLPUR)
DIPR/C/8040/2026

OFFICE OF PROJECT MANAGER CUM SUPERINTENDING ENGINEER WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, DHOLPUR
File no. 240 NOTICE INVITING BID Date: 05-05-2026
NIT NO: 01/2026-27
NIB No. WSC2627A0183 YEAR 2026-27
Bids for Construction of Retaining wall-3, Talab renovation-6, Anicut renovation-1, Ped-2 (01 Package) of total estimated value INR 121.21 lacs under PMKSY 2.0 Block Baseri Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to time 06:00 PM Date 15-05-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN:- WSC2627WSOB00301
(Lakhan singh Meena)
SE CUM PROJECT MANAGER
WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION DHOLPUR
DIPR/C/8064/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड मालपुरा
क्रमांकः 193 दिनांकः 6/5/2026
निविदा सूचना संख्याः 01 / 2026-27 खण्ड मालपुरा
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड मालपुरा में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए" एवं "एए", "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No.:- PWD2627A0347
1. PWD2627WSRC01530, 2. PWD2627WSRC01531, 3. PWD2627WSRC01532
4. PWD2627WSRC01533, 5. PWD2627WSRC01536, 6. PWD2627WSRC01537
7. PWD2627WSRC01539, 8. PWD2627WSRC01542, 9. PWD2627WSRC01547
DIPR/C/8087/2026 अधिशासी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड मालपुरा

Estate Officer
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)
क्रमांक :- EO/RUVAS/2026-27/35 दिनांक :- 05/05/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विरण वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.ruvasjaipur.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड़ करने की तारीख	05.05.2026 सांय 5.00 बजे से
निविदा जमा कराने की तारीख	29.05.2026 सांय 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	30.05.2026 प्रातः 11.00 बजे से

UBN No. : RVJ2627WSOB00004
राज.संवाद/सी/26/2382 सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगर परिषद, झुन्झुनू (राज.)
क्रमांक :-स्टोर/2026-27/1833 दिनांक :- 07.05.2026
निविदा सूचना संख्या 01/2026-2027
(NIB Code- DLB2627A1474)
कुल राशि - 12.80 लाख
नगर परिषद झुन्झुनूं की और से कार्य हेतु सक्षम श्रेणी के पंजीकृत संवेदको से मोहरबंद निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 15.05.2026 दोपहर 1.00 बजे तक निविदा शुल्क जमा करवाकर इस कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। पूर्णतया भरी हुई निविदाए दिनांक 15.05.2026 को सांय 2.00 बजे तक वापिस प्राप्त की जाकर उसी तिथि को सांय 3.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जाावेगी। उक्त निविदा के सम्बन्ध में अधिक जानकारी राजस्थान लोक उपापन पोर्टल (http://sppp.raj.nic.in) देखी जा सकती है। कार्य दिवस में कार्यालय मे भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/2358 नगरपरिषद, झुन्झुनूं

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED
Corporate Identification Number (CIN) - U40109RJ2000SGC016482
Registerd Office : Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004
Office of The Superintending Engineer (Civil)
Email-secivilavvnl@gmail.com ; http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl
No. : AVVNL/SE/CIVIL/AJM/FC: D : 217 Date :- 04/05/2026
निविदा सूचना संख्या 01 (2026-27)
केन्द्र/राज्य सरकार के विभागों में 'ए' व 'एए' श्रेणी तथा अ.वि.वि.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत, अनुभवी तथा माल एवं सेवाकर विभाग से पंजीकृत निविदाकारों से अधिशाषी अभियंता (सिविल/सिविल-QC), अजमेर/उदयपुर/सीकर/चितौड़गढ़ के अधीन सिविल कार्यों के लिए निविदाऐं UBN No. AVV2627WSOB00005 to AVV2627WSOB00008 आमन्त्रित की जाती है। निविदा सम्बन्धित समस्त विवरणए वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://energy.rajasthan.gov.in/avvnl पर उपलब्ध है।
राज.संवाद/सी/26/2363 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल)

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2026-27/5387 - 98 दिनांक :- 05/05/2026
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 09/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 02 कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in https://bhda.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।
UBN विवरणः- WAQ2627WSOB00033, WAQ2627WSOB00034
राज.संवाद/सी/26/2373 अधिशाषी अभियन्ता

अलवर : गोविंदगढ़ थाने पर पथराव के चार आरोपियों को जेल भेजा

अलवर, (निसं)। अलवर में थानेदार सहित पुलिसकर्मियों पर पथराव करने वाले चार आरोपियों को शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को 21 मई तक जेल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार जिले के गोविंदगढ़ थाने पर छह मई की रात को बुलेट बाइक जब्त करने पर आरोपियों ने थाने पर हमला किया था। इस हमले में गोविंदगढ़ थाना प्रभारी सहित कई कर्मचारी घायल हुए थे।

एससी/एसटी कोर्ट के सहायक लोक अभियोजक अधिकारी योगेंद्र खटाना ने बताया कि 7 मई को गोविंदगढ़ थाने के एएसआई बलबीर जाटव की ओर से मामला दर्ज कराया गया था। छह मई की रात करीब 10:15 बजे एक बुलेट मोटरसाइकिल पटाखे जैसी आवाज करते हुए गुजर रही थी। योगेंद्र खटाना ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान डिटेन (जब्त) कर लिया। इसी दौरान बाइक चालक के समर्थन में 50-60 लोग थाने पहुंच गए और अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस हमले में थाने के सरकारी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और थानाधिकारी सहित कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनकी पहचान विक्रम सिंह, सुखजीत सिंह, अर्जुन सिंह और रौनकी सिंह के रूप में हुई है, जो सभी गोविंदगढ़ के निवासी हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

- गोविंदगढ़ थाने पर छह मई की रात को बुलेट बाइक जब्त करने पर आरोपियों ने हमला किया था

युवक की मौत

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके में गलत दिशा से आ रहे ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाइक सवार काम खत्म करके घर की ओर जा रहा था कि इसी दौरान एक ट्रक रॉंग साईड से भामाशाह मंडी की तरफ से सीएनजी पम्प की तरफ जाते समय ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन को चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में घायल बाइक सवार को उपचार के लिये अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि बरड़ा बस्ती निवासी सोनू महावर (22) ड्यूटी से घर की ओर मोटरसाइकिल से जा रहा था, कि अज्ञात ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी।

टोंक में पांच लाख की अवैध शराब जब्त

टोंक, (निसं)। जिला स्पेशल टीम द्वारा दूनी थाना क्षेत्र में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए करीब पांच लाख रुपए की अवैध शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में आरोपियों के कब्जे से खरीद-फरोख्त के पांच लाख 24400 रुपए रुपए भी जब्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार दूनी थाना क्षेत्र में जिला स्पेशल टीम ने एक दुकान में छापा मारकर दुकान से 45 पेटी अवैध शराब व बोलेरो कार, नगदी आदि माल को दूनी थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। टीम ने इस दौरान कार्रवाई कर गुरुवार रात्रि को दूनी थाना क्षेत्र में स्थित एनएच-52 पर संथली के पास एक दुकान पर छापामार वहां खड़ी बोलेरो गाड़ी से 15 पेटी अंग्रेजी शराब, साथ ही चालक की दुकान से 30 पेटी अंग्रेजी व देसी शराब जब्त की है। इस प्रकार आरोपियों के कब्जे से 45 पेटी अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की जब्त की गई है, जिसकी बाजार कीमत लगभग पांच लाख रुपए है। कार्रवाई में आरोपी सुरेश पुत्र देवकरण गुर्जर निवासी संथली और सांवरलाल पुत्र गोवर्धन गुर्जर निवासी बेनपा थाना दूनी को डिटेन कर दूनी थाने के सुपुर्द कर दिया है।

जोधपुर में शादी समारोह के स्टेज पर आग लगी, वीडियो वायरल

जोधपुर, (कासं)। शहर में एक शादी समारोह के दौरान वरमाला के ठीक समय स्टेज धूं-धूं कर जल उठा। पाल रोड स्थित रिसॉर्ट में हुई इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गनीमत रही कि दूल्हा-दुल्हन और वहां मौजूद लोगों ने समय रहते सूझबूझ दिखाई, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

वायरल वीडियो के अनुसार स्टेज पर दूल्हा और दुल्हन वरमाला की रस्म के लिए खड़े थे। इस पल को और शानदार बनाने के लिए स्टेज के चारों तरफ कोल्ड फायर (क्रैकर) चलाए गए और भारी आतिशबाजी की गई। तभी कोल्ड फायर से निकली चिंगारी स्टेज पर सजावट के लिए लगाए गए आर्टिफिशियल (प्लास्टिक) फूलों और कपड़ों पर जा गिरी। इस पर प्लास्टिक के फूलों ने तुरंत आग पकड़ ली और देखते ही देखते चंद सेकंड में पूरा स्टेज आग की लपटों से घिर गया। जैसे ही स्टेज पर आग भड़की, वहां मौजूद मेहमानों और रिश्तेदारों में चीख-पुकार मच गई। आग की लपटों को अपने करीब आता देख दूल्हा और दुल्हन ने तुरंत स्टेज से नीचे की तरफ भागकर अपनी जान बचाई। अचानक लगी इस आग से मैरिज गार्डन में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने अग्निशमन उपकरणों व पानी की मदद से आग पर काबू पा लिया।

- वरमाला के दौरान दूल्हा-दुल्हन ने भागकर जान बचाई

प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक के लिए प्रवेश 13 मई से

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी और निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक प्रथम वर्ष सत्र 2026-27 के प्रवेश 13 मई से शुरू होंगे। तकनीकी शिक्षा विभाग ने सेंट्रलाइज्ड एडमिशन प्रोसेस का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर (ईसीबी) सहित राज्य के सभी इंजीनियरिंग संस्थानों में इस वर्ष भी प्रवेश केंद्रीकृत, ऑनलाइन और मेरिट आधारित प्रक्रिया के तहत होंगे। इससे विद्यार्थियों को पारदर्शी तरीके से पसंदीदा कॉलेज और ब्रांच में प्रवेश का अवसर मिलेगा। ईसीबी में आठ ब्रांचों में करीब 600 सीटों पर प्रवेश दिए जाएंगे, जबकि यूसीईटी में लगभग 480 सीटें उपलब्ध रहेंगी।

- जेईई मेन्स वालों को पहले मौका, ऑनलाइन रिपोर्टिंग से घर बैठे ही सीट कन्फर्म होगी

ईसीबी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नवीन शर्मा ने बताया कि सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस, जयपुर द्वारा संचालित यह प्रक्रिया विद्यार्थियों को सरल और तकनीक आधारित प्रवेश सुविधा प्रदान करेगी। प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ी विस्तृत जानकारी आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध करवाई गई है। 13 मई से शुरू होने वाली आवेदन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को जीएसटी समेत 885 रुपए जमा करवाकर ओटीपी आधारित ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन शुल्क जमा करवाने की अंतिम तिथि 10 जून निर्धारित की गई है, जबकि आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 12 जून रहेगी। अभ्यर्थी 26 जून तक कॉलेज और ब्रांच विकल्प भरकर लॉक कर सकेंगे।

प्रवेश के लिए सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के 12वीं में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक तथा आरक्षित वर्ग के लिए 40 प्रतिशत अंक होना आवश्यक है। साथ ही अभ्यर्थियों ने विज्ञान वर्ग में गणित, फिजिक्स, कंप्यूटर साइंस, बायोलॉजी, एग्रीकल्चर, बिजनेस स्टडीज, बायोटेक्नोलॉजी या एंटरप्रेन्योरशिप जैसे विषयों के संयोजन के साथ अध्ययन किया होना चाहिए।

डॉ. संजीव जैन, प्राचार्य, ईसीबा का कहना है प्रवेश प्रक्रिया के दौरान विद्यार्थियों की सहायता के लिए इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर में विशेष हेल्पडेस्क शुरू की गई है। यहां विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन, ब्रांच चयन, पात्रता, काउंसलिंग प्रक्रिया, तकनीकी पाठ्यक्रमों और करियर संभावनाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध करवाई जाएगी।

संपत्ति के फर्जी दस्तावेज दिखाकर 12 लाख की ठगी

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र में संपत्ति के फर्जी दस्तावेज दिखाकर 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपी युवक पर विश्वास में लेकर नकली कागजात के आधार पर रकम हड़पने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ स्कूल आनंदपुरी निवासी नवल सिंह ने अलवर गेट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि एक युवक ने उसे संपत्ति बेचने का झांसा दिया। आरोपी ने खुद को संपत्ति का मालिक बताते हुए संबंधित जमीन और मकान के दस्तावेज दिखाए। दस्तावेज देखने के बाद नवल सिंह ने उस पर भरोसा कर लिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी ने संपत्ति का सौदा तय कर उससे अलग-अलग किश्तों में करीब 12 लाख रुपए ले लिए। बाद में जब दस्तावेजों की जांच करवाई गई तो वे फर्जी निकले। इसके बाद पीड़ित को अपने साथ हुई ठगी का पता चला।

अलवर गेट थाना एएसआई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की रिपोर्ट पर धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। दस्तावेजों की सत्यता की भी जांच करवाई जा रही है तथा आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

पावटा : लग्न-टीका कार्यक्रम में रस मलाई खाने से करीब 50 लोगों की तबियत बिगड़ी

बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई

पावटा, (निसं)। भाभरु क्षेत्र के मालियों की ढाणी, गैसकान में शुक्रवार को दोपहर में आयोजित एक लग्न-टीका कार्यक्रम उस समय अफरा-तफरी में बदल गया, जब भोजन के साथ मिठाई के नाम पर परोसी गई रस मलाई खाने के बाद अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को उल्टी-दस्त की शिकायत होने लगी, जिससे समारोह स्थल पर हड़कंप मच गया। स्थिति गंभीर होने पर परिजनों ने तुरंत मरीजों को आंतेला सीएचसी और बाद में शाहपुरा राजकीय उपजिला चिकित्सालय पहुंचाया, जहां एक साथ बड़ी संख्या में मरीज आने से अस्पताल के वार्ड भर गए।

- भाभरु क्षेत्र के मालियों की ढाणी, गैसकान में लग्न-टीका कार्यक्रम में भोजन के साथ मिठाई के नाम पर परोसी गई थी रस मलाई

लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कर चिकित्सकों ने उपचार शुरु किया।

जानकारी के अनुसार करीब 50 से अधिक लोग फूड पॉइजनिंग की चपेट में आए हैं। हालांकि चिकित्सकों की तत्परता से सभी मरीजों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही भाजपा युवा नेता उपेन यादव देर रात शाहपुरा अस्पताल पहुंचे और मरीजों व उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने बच्चों का हालचाल जाना और परिजनों को ढांढस बंधाते हुए भरोसा दिलाया कि इलाज में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। यादव ने अस्पताल के पीएमओ डॉ. विनोद योगी एवं चिकित्सा स्टाफ से चर्चा कर सभी मरीजों के समुचित उपचार के निर्देश दिए। वे करीब दो घंटे तक अस्पताल में मौजूद रहकर मरीजों की स्थिति की जानकारी लेते रहे।

अस्पताल प्रशासन ने भी अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए इमरजेंसी व्यवस्था मजबूत की। मरीजों के परिजनों ने चिकित्सा टीम और सहयोग में जुटे लोगों की सराहना करते हुए राहत जताई कि समय रहते उपचार मिलने से बड़ा हादसा टल गया। वहीं क्षेत्रवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी परेशानी में तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की अपील की गई है। वहीं असपताल में आये लोगों को चिकित्सकों ने भर्ती कर उपचार शुरु किया।

नाबालिग से छेड़छाड़ के दोषी को सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। नाबालिग से छेड़छाड़ के करीब दो साल पुराने मामले में पॉस्को क्रम-3 न्यायालय ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी को दोषी मानते हुए 3 साल की सजा सुनाई। साथ ही 5 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

विशिष्ट लोक अभियोजक महेश चांदवानी ने बताया कि 25 मार्च 2024 को नाबालिग 15 वर्षीय पीड़िता ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता ने रिपोर्ट में कहा कि घर से सब्जी लेने गई थी, सब्जी की दुकान बंद होने पर पैदल घर की ओर आ रही थी। रास्ते में एक परिचित बाइक लेकर मिला जिसने बाइक से घर छोड़ने के लिये कहा और उसको बाइक पर बैठा लिया। रिपोर्ट में कहा कि वह उसे उसके घर की जगह अपने घर पर ले गया, जहां गलत हरकत करते हुए छेड़छाड़ करने लगा। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 10 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

- पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश कर 10 गवाहों के बयान दर्ज कराये

सार-समाचार

शराब ठेके पर फायारिंग, पीसी रिमांड के बाद दोनों को भेजा जेल

सादुलपुर (निसं)। राजगढ़ कस्बे के सांखू तिराहे पर स्थित शराब ठेके पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो अज्ञात शूटरों की राजगढ़ थाना पुलिस द्वारा जेल में शिनाख्त परेड करवाकर दोनों को पुलिस रिमांड पर लेकर पुलिस रिमांड समाप्त होने पर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है। घटना के दोरान पुलिस को अनुसंधान में फायरिंग मामले मे सीसीटीवी फुटेज मिली थी। शुक्रवार दोपहर 12 बजे मिली जानकारी में अनुसंधान अधिकारी रामावतार मीणा ने बताया कि प्रकरण में सांखू फाटक पर स्थित शराब ठेके पर फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो अज्ञात शूटर अंकित उर्फ बिल्ला उम्र 22 साल पुत्र सुनील, तथा लक्ष्य उर्फ मोनू उम्र 2० साल पुत्र विकास, निवासीगण रानीला, थाना बोन्द कला, जिला चरखी दादरी (हरियाणा) की जेल में शिनाख्त परेड की कार्यवाही करवा दोनों शूटरों ने को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद फायरिंग मामले में पुछताछ हेतु उक्त दोनों शूटरों को दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था, तथा रिमांड अवधी समाप्त होने के बाद दोनों को जेलभ्भेज दिया है। गौरतलब है कि०9 अक्टूबर के 2:25 को शहर के सांखू तिराहे के पास स्थित शराब ठेके पर दो अज्ञात अपराधियों ने अवैध हथियार से फायरिंग कर धमकी दी और मौके से फरार हो गए थे।

किसानों ने 'ग्रीन एक्सप्रेसवे' योजना के विरोध में जताई नाराजगी

पाटन (निसं)। ग्रीन एक्सप्रेस वे को लेकर किसानों का गुस्सा आज डोकण के अटल सेवा केंद्र में साफ झलक गया। उपखण्ड अधिकारी राजबीर यादव ने अटल सेवा केन्द्र डोकन में आयोजित जन सुनवाई के दौरान किसानों की समस्याओं और मंशा को समझा। किसान महापंचायत के जिला अध्यक्ष बलदेव यादव, प्रदेश संगठन मंत्री गोवर्धन सिंह तेतरवाल और नीमकाथाना तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार यादव सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे। सभी किसानों ने जोर देकर कहा कि वे किसी भी हालत में अपनी जमीन नहीं देंगे। किसान प्रतिनिधियों ने उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री तक अपनी बात पहुंचाने का आग्रह किया। इसके साथ ही किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें ग्रीन एक्सप्रेस वे योजना को निरस्त करने की मांग की गई। किसान महापंचायत ने साफ किया कि यदि सरकार उनकी मांग नहीं मानती है, तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।विरोध प्रदर्शन में सरपंच बलराम गुर्जर, हरिराम गुर्जर, महावीर यादव, टोडा राम, महावीर गुर्जर, फूलाराम गुर्जर, शंकर लाल मीणा, जय सिंह सहित सैकड़ों किसान शामिल रहे।

ट्रस्ट की नितियों के विरोध में चल रहे धरने को 51 दिन पूरे, 11 को आमसभा

खेतड़ी (निसं)। खेतड़ी में ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और आम रास्तों को अवरुद्ध करने के विरोध में चल रहा जनांदोलन अब तेज होने लगा है। पिछले कई दिनों से एसडीएम कोर्ट के बाहर जारी धरने पर बैठे लोगों ने 51 दिन पूरे होने पर विरोध जताया। इस। दौरान ग्रामीणों ने 11 मई को भी को मुख्य बाजार में आमसभा का आयोजन करने का निर्णय लिया है। खेतड़ी जनसेवा समिति के गोकुलचंद सैनी ने बताया कि खेतड़ी कस्बा रियासत कालीन समय के विश्व प्रसिद्ध कस्बा है। रियासत कालीन समय से खेतड़ी में अनेक भवनों, महल एवं किलों का निर्माण करवाया गया था। भोपालगढ़ किला भी ऐतिहासिक रूप से रियासत कालीन समय में बनाया गया था, जिसका उपयोग तत्कालीन समय में सामरिक एवं रिहायसी निवास के लिए किया जाता था। भोपालगढ़ ग्राम में आज भी लोग रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। ट्रस्ट के लोगों ने कब्जा करने का प्रयास करते हुए मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। भोपालगढ़ किले के मुख्य द्वार पर गेट लगाने को लेकर क्षेत्र की जनता में काफी आक्रोश है। इसके अलावा खेतड़ी कस्बे में कई स्थानों पर ट्रस्ट ने कब्जा कर आवागमन के रास्ते में दिवार बनाकर रास्तों को बंद किया जा रहा है। इस दौरान ग्रामीणों ने भोपालगढ़ मार्ग पर लगे अवैध गेट को तुरंत हटाया जाने, व्यापारियों और ग्रामीणों पर दर्ज किए गए मुकदमे वापस लिए जाने, सार्वजनिक संपत्तियों और प्राचीन मंदिरों पर ट्रस्ट के हस्तक्षेप को रोका जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि यदि प्रशासन ने जल्द मामले में गंभीरता नहीं दिखाई तो ग्रामीणों की ओर से बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

वक्फ जमीन पर रातों-रात कब्जे का खेल, न्यायालय के आदेश के बावजूद प्रशासन मौन

- भूमाफियाओं के हौसले बुलंद, जमाबंदी में नोट दर्ज कराने की गुहार, अवैध निर्माण रोकने की मांग; जिला वक्फ कमेटी ने तहसीलदार को लिखा पत्र

झुंझुनूं (निसं)। शहर में वक्फ संपत्तियों पर कथित अतिक्रमण और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जिला वक्फ कमेटी झुंझुनूं ने तहसीलदार को लिखे पत्र में आरोप लगाया है कि न्यायालय के स्पष्ट आदेशों के बावजूद वक्फ भूमि पर रातों-रात कब्जे और निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठा है।

कार्यालय जिला वक्फ कमेटी झुंझुनूं की ओर से 7 मई 2026 को जारी पत्र में माननीय वक्फ न्यायाधिकरण के प्रकरण संख्या 60/2004 दरगाह कमरूद्दीन शाह बनाम राजस्थान सरकार के निर्णय का हवाला देते हुए तत्काल प्रभाव से कार्रवाई की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है कि न्यायालय ने संबंधित भूमि को वक्फ संपत्ति मानते हुए वादी के कब्जे में हस्तक्षेप नहीं करने के निर्देश दिए थे, इसके बावजूद कथित अतिक्रमणकारी सक्रिय हैं।

पत्र के अनुसार संबंधित खसरा नंबर 543 रकबा 16 बीघा 4 बिस्वा तथा खसरा नंबर 536 रकबा 22 बीघा 9 बिस्वा भूमि को लेकर विवाद के बावजूद कथित रूप से चारदीवारी निर्माण और अन्य पक्के निर्माण किए जा रहे हैं।

जिला वक्फ कमेटी ने इसे न्यायालय के आदेशों की खुली अवहेलना बताते हुए जमाबंदी में न्यायालय निर्णय का नोट दर्ज कराने की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में भूमि से किसी प्रकार की छेड़छाड़ न हो सके। सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो रहा है कि यदि न्यायालय का आदेश मौजूद है तो फिर आखिर किसके संरक्षण में कथित अतिक्रमण जारी है? क्यों जिम्मेदार विभाग मौके पर कार्रवाई करने से बचते नजर आ रहे हैं? क्या प्रशासन को किसी बड़े विवाद या टकराव का इंतजार है? पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि कथित कब्जाधारी रात के अंधेरे में निर्माण कार्य कर रहे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के बीच भी यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर सरकारी तंत्र की निगरानी व्यवस्था इतनी कमजोर कैसे हो गई कि संवेदनशील भूमि पर खुलेआम गतिविधियां चलती रहीं और कार्रवाई कागजों तक सीमित रही। जिला वक्फ कमेटी ने तहसील प्रशासन से मांग की है कि न्यायालय के आदेश की पालना सुनिश्चित कराते हुए अवैध निर्माण तत्काल रुकवाया जाए तथा संबंधित रिकॉर्ड में आवश्यक प्रविष्टियां दर्ज कर भविष्य में कब्जे के प्रयासों पर रोक लगाई जाए। पत्र की प्रति आयुक्त नगर परिषद झुंझुनूं को भी भेजी गई है।

अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि न्यायालय के आदेशों के बावजूद हालात नहीं बदलते, तो यह मामला आने वाले दिनों में बड़ा प्रशासनिक और कानूनी विवाद बन सकता है।

कर्मचारी हितों के लिए बैठक सम्पन्न

नोहर (निसं)। यहां राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के प्रांतीय आव्हान पर शिक्षक संघ प्रगतिशील उपशाखा नोहर के तत्वावधान मे बुधवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ब्राह्मणवासी सहित विभिन्न विद्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा आरजीएचएस योजना में इलाज व दवाइयां बंद होने, समर्पित अवकाश(पीएल) भुगतान पर रोक, ग्रीष्मावकाश कटौती जैसे शिक्षक एवं कर्मचारी हितों के खिलाफ लिए जा रहे। निर्णय के विरोध में शिक्षकों ने अपने कार्यस्थल पर काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज किया।

कार्यालय नगरपरिषद् हनुमानगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक : नपह/भूमि (कृषि) /2026/1261 — दिनांक: 08/05/2026

-: आपत्ति सूचना :-

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि इस कार्यालय में प्रार्थी M/s City Center Market through Partner श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बलराम सोनी निवासी हनुमानगढ़ जंक्शन तहसील व जिला हनुमानगढ़ ने प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत कर चक नं. 49 एनजीसी 126/264 मु0न0 53 किला नं. 24/1/0.051, 25/1/0.051 व पत्थर नं. 126/265 मु0न0 56 किला नं. 2/0.1885, 3/0.253, 4/0.253, 5/1/0.228, 5/2/0.025, 6/1/0.228, 6/2/0.025, 7/0.253, 8/0.253, 9/0.1885 कुल 1.997 हैक्टयर भूमि के पूर्व मे स्वीकृत आवासीय ले-आउट प्लान में संशोधन की मांग की गई है। श्रीमान् प्राधिकृत अधिकारी/आयुक्त नगरपरिषद् हनुमानगढ़ द्वारा जरिये ऑनलाईन क्रमांक 103349 दिनांक 28. 05.2025 के द्वारा 90ए की कार्यवाही पूर्ण की गई है। उक्त भूमि का ले-आउट प्लान, ले-आउट कमेटी द्वारा जरिये क्रमांक 2680 दिनांक 20.06.2025 द्वारा ले-आउट प्लान अनुमोदन किया गया। नगरपरिषद क्रमांक 4029 दिनांक 28.07.2025 द्वारा भूमि का कार्यालय आदेश (अधिवास प्रमाण-पत्र) जारी किया गया है। आवेदक/खातेदार द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र पेश किया गया है कि 'पूर्व में स्वीकृत नक्शा के अनुसार उक्त कॉलोनी मे हमारे द्वारा किसी भी भूखण्ड का ना तो आवंटन-पत्र जारी किया गया है व ना ही नगरपरिषद हनुमानगढ़ से कोई पट्टा-विलेख जारी करवाया गया है।' खातेदार द्वारा प्रस्तुत प्रश्नगत भूमि का संशोधित ले-आउट प्लान नगरपरिषद कार्यालय में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। किसी भी कार्य दिवस में अवलोकन किया जा सकता है। अतः इस सन्दर्भ में किसी भी संस्था/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 7 दिवस में इस कार्यालय को सूचित करें बाद गुजरने मियाद प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर नियमानुसार संशोधित ले-आउट प्लान अनुमोदन की कार्यवाही की जावेगी।

आयुक्त, नगरपरिषद, हनुमानगढ़

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ(राज)

क्रमांक :- न.पा.रा./भू./2025/2063 — दिनांक :-13.11.2025

आपति आमत्रंण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सावित्री पत्नि श्री कालुराम जाति कुम्हार निवासी वार्ड नं.22 रावतसर जिला हनुमानगढ ने दानपत्र से प्राप्त भूखण्ड के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर आवासीय भूखण्ड साईज 236.46 वर्गमीटर का नामान्तरण दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है जिसका मूल पटटा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री अमीलाल पुत्र श्री निकुराम के नाम से साईज 565.15 वर्गमीटर का जारीशुदा है। श्री अमीलाल ने उक्त भूखण्ड में से साईज 236.46 वर्गमीटर अपनी पुत्रवधु श्रीमती सावित्री पत्नि श्री कालुराम को दान कर दिया। जिसका नामान्तरण अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।

अधिशाषी अधिकारी,
नगरपालिका रावतसर

एलईडी वैन से होगा योजनाओं का प्रचार-प्रसार

सीकर (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार कृषकों, पशुपालकों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए संचालित ग्राम रथ अभियान 2026 के अंतर्गत जिले की आठों विधानसभा क्षेत्रों में एलईडी वैन के माध्यम से विभिन्न ग्राम पंचायतों में आमजन को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। जिला कलेक्टर आशीष मोदी ने बताया कि 9 मई को फतेहपुर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नबीपुरा, दीनवा लाड़खानी, लक्ष्मणगढ़ की घाना, सिंगडोला बड़ा आदि में एलईडी वैन के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर मौत का ट्रांसफार्मर

- खुले में खड़ा हाई वोल्टेज खतरा, मंडी स्कूल के विद्यार्थियों की जान सांसत में; निगम और प्रशासन बेखबर

सूरजगढ़ (निसं)। कस्बे के रेलवे स्टेशन रोड़ मार्ग पर रेल बाउंड्री के समीप खुले में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। आबादी क्षेत्र और मुख्य मार्ग पर बिना सुरक्षा घेरा लगाए रखा गया यह ट्रांसफार्मर आम राहगीरों के साथ-साथ नजदीकी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग और स्थानीय प्रशासन आंखें मूंदे बैठे हैं।

स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय आने-जाने वाले सैकड़ों विद्यार्थी प्रतिदिन इसी मार्ग से गुजरते हैं। ट्रांसफार्मर खुले में होने से हर समय करंट फैलने या किसी अप्रिय हादसे की आशंका बनी रहती है। अभिभावकों ने बताया कि कई बार जनप्रतिनिधियों और पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि को इस गंभीर समस्या से अवगत करवाकर ट्रांसफार्मर के चारों ओर बाउंड्री वॉल बनाने की मांग की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि कस्बे का यह अत्यंत व्यस्त और संवेदनशील मार्ग होने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी और जिम्मेदार विभाग पूरी तरह उदासीन बने हुए हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि जब इसी मार्ग से रोजाना अधिकारी और कर्मचारी रेलवे स्टेशन तक पहुंचते हैं, तब भी इस जानलेवा खतरे को नजरअंदाज करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वार्डवासियों ने कहा कि उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, अधिशाषी अधिकारी, पुलिस सीआई सहित कई जिम्मेदार अधिकारी रेलवे स्टेशन परिसर के आसपास बैठते हैं, लेकिन किसी ने भी अब तक इस खुले ट्रांसफार्मर को सुरक्षित करवाने की पहल नहीं की। लोगों का आरोप है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ ने अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता तथा स्थानीय प्रशासन से तत्काल ट्रांसफार्मर के चारों ओर सुरक्षा दीवार बनाने और इसे स्थाई रूप से आबादी क्षेत्र से हटाने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो कभी भी बड़ी जनहानि हो सकती है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और विद्युत निगम की होगी।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

क्रमांक:LU2012/SIK/2026-27/100755 **लोक सूचना** दिनांक:08/05/2026

श्री KAILASH CHAND पुत्र श्री HAR DAYAL RAM जाति JAAT निवासी DAHAR KA BAS, TEH.-NECHWA, DISTT.- SIKAR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	KAILASHCHAND S/O HAR DAYAL RAM	1666/13	2365	0.0236
2.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	KAILASHCHAND S/O HAR DAYAL RAM	1674/14	2455	0.0246
				कुल	0.0482

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

क्रमांक:LU2012/SIK/2026-27/100756 **लोक सूचना** दिनांक:08/05/2026

श्री JITENDRA SINGH RATHORE पुत्र श्री PURAN SINGH जाति RAJPUT निवासी VILLAGE-SUJANPURA, TEH. DHOD, DISTT.- SIKAR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	JITENDRA SINGH RATHORE S/O PURAN SINGH	1668/13	2445	0.0244
2.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	JITENDRA SINGH RATHORE S/O PURAN SINGH	1675/14	2430	0.0243
				कुल	0.0487

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

पेयजल संकट और भ्रष्टाचार की जांच की मांग, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

- बैठक के पश्चात किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा

नोहर, (निसं)। चिलचिलाती धूप और बढ़ते पारे के बीच नोहर तहसील के किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर मोर्चा खोल दिया है। भारतीय किसान संघ (तहसील शाखा, नोहर) की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व सरपंच हनुमान प्रसाद आर्य की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के ज्वलंत मुद्दों पर गहन मंथन हुआ। बैठक के पश्चात किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा।

किसानों ने प्रशासन का ध्यान मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं की ओर आकर्षित किया। भीषण पेयजल संकट, दूरजाना सहित क्षेत्र के दर्जनों गांवों में पानी की भारी किल्लत है। किसानों ने मांग की है कि इस भीषण गर्मी में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और भविष्य के लिए पर्याप्त जल भंडारण के पुख्ते इंतजाम हों। मेघाना माइनर में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए किसानों ने मेघाना माइनर के निर्माण में अमानक सामठी के इस्तेमाल पर कड़ा रोष जताया। आरोप है कि घटिया निर्माण के कारण पहली बार पानी छोड़ते ही माइनर टूट गई। किसानों ने इसकी उच्च स्तरीय जांच समिति से जांच कराकर दोबारा सही निर्माण करवाने की मांग की है और स्थानीय मंडियों में गेहूं की आवक को देखते हुए खरीद की मात्रा बढ़ाकर 5 लाख बैग करने का आठाह किया गया है, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में असुविधा न हो।

"इस भीषण गर्मी में इंसान और पशु दोनों पानी के लिए त्रस्त हीं प्रशासन को कागजी घोड़े दौड़ाने के बजाय धरातल पर समाधान करना होगा।" इस दौरान संगठन की मजबूती और किसानों की एकता पर बल दिया गया। ज्ञापन देते वक्त यह रहे उपस्थित राजेंद्र सिहाग (अध्यक्ष भारतीय किसान संघ),पृथ्वी साहू (महामंत्री) गंगाराम बेनीवाल (उपाध्यक्ष) प्रताप सहारण, प्रेम गोदारा, हरिराम सुथार।

पालिका टीम रेस्क्यू में फेल, दहशत में मोहल्ला, घरों में कैद हुए बच्चे

सादुलपुर (निसं)। नगरपालिका क्षेत्र राजगढ़ के वार्ड 33 में पिछले दो दिन से खच्चरों का आतंक चरम पर है। गुरुवार दोपहर सफेद रंग के बौराए खच्चर ने गली में खेल रहे ०8-1० वर्षीय लक्की शर्मा और वेल्डिंग कारीगर रामावतार शर्मा पर हमला कर कई जगह नोच डाला। वहीं खच्चर के आंतक की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गुरूवार शाम सात बजे दी जानकारी में प्रत्यक्षदर्शी राजेश शर्मा ने बताया, लक्की शर्मा मेरी दुकान से सामान लेने आ रहा था। तभी तीन खच्चरों का झुंड आया। सफेद खच्चर ने अचानक बच्चे को दबोच लिया और दो-तीन जगह काट लिया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

क्रमांक:LU2012/SIK/2026-27/100753 **लोक सूचना** दिनांक:08/05/2026

श्री UPENDRA JANGIR पुत्र श्री SUKHDEV PRASAD JANGIR जाति JANGIR निवासी VILLAGE-PALTHANA, TEH.SIKAR GRAMEEN & DISTT. SIKAR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	UPENDRA JANGIR S/O SUKHDEVPRASAD JANGIR	1664/13	2285	0.0228
2.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	UPENDRA JANGIR S/O SUKHDEVPRASAD JANGIR	1672/14	2400	0.024
				कुल	0.0468

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

कथावाचक महाराज जी का किया सम्मान

- शबरी के जूठे बेरों में झलकी भक्ति की पराकाष्ठा, धर्मदास महाराज बोले- प्रभु प्रेम नहीं, भाव देखते हैं

झुंझुनूं (निसं)। शहर के चुना चौक स्थित रामलीला मैदान, सिद्धेश्वर महादेव मंदिर एवं पुरोहितों की बगीची के सामने रानी सती रोड पर आयोजित भव्य रामकथा में शुक्रवार को भक्ति, करुणा और प्रभु प्रेम का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर बडी संख्या में श्रद्धालु उमडे और भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का श्रवण कर भावविभोर हो उठे। कथा संयोजक महेश बसावतिया ने बताया कि रामकथा में केवट, शबरी एवं सुग्रीव जैसे रामायण के प्रमुख पात्रों के माध्यम से प्रभु श्रीराम की करुणा, भक्तवत्सलता और भक्तों के प्रति उनके प्रेम का मार्मिक वर्णन किया जा रहा है। कथा के दौरान पूरा पांडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। कथावाचक धर्मदास महाराज ने शबरी भक्ति प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि भगवान केवल प्रेम और सच्ची भक्ति के भूखे होते हैं, बाहरी आडंबर के नहीं। महाराज ने बताया कि शबरी, जो मतंग मुनि की परम शिष्या थीं, वर्षों तक प्रभु श्रीराम की प्रतीक्षा करती रहीं। जब भगवान राम और लक्ष्मण उनकी कुटिया पहुंचे तो शबरी प्रेमवश बेरों को चख-चखकर प्रभु को खिलाने लगीं। भगवान श्रीराम ने भी भक्त के निष्कलंक प्रेम को स्वीकार करते हुए उन बेरों को बड़े प्रेम से ग्रहण किया। धर्मदास महाराज ने आगे नवधा भक्ति का विस्तृत वर्णन करते हुए बताया कि भगवान श्रीराम ने शबरी को भक्ति के नौ स्वरूपों का उपदेश देकर उसे मोक्ष प्रदान किया। इसके पश्चात महाराज ने हनुमान मिलन प्रसंग सुनाते हुए कहा कि हनुमानजी ब्राह्मण वेश धारण कर प्रभु श्रीराम से मिले और उन्हें सुग्रीव के पास लेकर गए, जहां अग्नि को साक्षी मानकर राम-सुग्रीव की मित्रता संपन्न हुई।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास में कूलर भेंट किए

नोहर (निसं)। यहां कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय छात्रावास चक राजासर में केशव बागड़ी पुत्र स्व. शशिकांत बागडी द्वारा छात्राओं की सुविधा हेतु 2 कूलर भेंट किये गये। भीषण गर्मी को देखते हुए यह पहल छात्राओं के लिए राहत भरी साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान छात्रावास प्रशासन एवं स्टाफ ने भामाशाह व भामाशाह प्रेरक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से छात्राओं को बेहतर वातावरण में अध्ययन करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर छात्रावास प्रशासन के द्वारा बच्चियों को स्टेशनरी व आधारभूत सुविधाओं का वितरण भी किया गया। छात्रावास की छात्राओं ने भी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में कूलर मिलने से उन्हें काफी राहत मिलेगी। इस अवसर पर केजीबीवी नोडल प्रचानाचार्य श्रीमती आरती कौशिक वार्डन अनुराधा विजेन्द्र कंकर सुधा सुमन प्रीति श्रवण भामाशाह प्रेरक अनिल चौमवाल एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में भामाशाह ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के हर व्यक्ति को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग करना चाहिए, जिससे बेटियों का भविष्य उज्जवल बन सके।

तम्बाकू मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान पर कमलेश तेतरवाल को राष्ट्रीय सम्मान

झुंझुनूं/प्रतापगढ़ (निसं)। जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य डाइट प्रतापगढ़ कमलेश कुमार तेतरवाल का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित टोबैको फ्री इंडिया अवार्ड-2025 के लिए चयन हुआ है। यह सम्मान उन्हें तम्बाकू मुक्त भारत अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए 12 मई 2026 को मुंबई स्थित यशवंतराव चौहान सेंटर में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार नरोत्तम शेखसरिया फाउंडेशन द्वारा देशभर में तम्बाकू एवं धूम्रपान विरोधी जनजागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को दिया जाता है। इस वर्ष पूरे देश से छह व्यक्तियों तथा चार संस्थाओं का चयन किया गया है, जिनमें राजस्थान से चयनित होने वाले एकमात्र व्यक्तित्व कमलेश तेतरवाल हैं।

तेतरवाल पिछले लगभग 20 वर्षों से धूम्रपान एवं तम्बाकू जनित उत्पादों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। विशेष रूप से झुंझुनूं, चूरू, सीकर और प्रतापगढ़ सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त एवं धूम्रपान निषेध क्षेत्र बनाने की दिशा में उनके प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया है। समारोह में उन्हें 25 हजार रूपये का चैक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। तेतरवाल ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न जिलों में जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से तम्बाकू नियंत्रण अभियान को जनआंदोलन का रूप दिया।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

क्रमांक:LU2012/SIK/2026-27/100754 **लोक सूचना** दिनांक:08/05/2026

श्री MADAN LAL पुत्र श्री UDARAM जाति JAAT निवासी VILLAGE - NAGWA, TEH. DHOD & DISTT.-SIKAR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	MADAN LAL S/O UDARAM	1663/13	1700	0.017
2.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	MADAN LAL S/O UDARAM	1671/14	1785	0.0178
				कुल	0.0348

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

क्रमांक:LU2012/SIK/2026-27/100757 **लोक सूचना** दिनांक:08/05/2026

श्री BADRI PRASAD पुत्र श्री GANESH RAM जाति JANGIR निवासी KHATIYON KA MOHALLA, WARD NO.35, TEH. & DISTT. SIKAR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का फार्म हाउस प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	निर्मित क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	BADRI PRASAD S/O GANESH RAM JANGIR	1670/13	2210	0.0221
2.	कंवरपुरा, सीकर ग्रामीण (सीकर)	BADRI PRASAD S/O GANESH RAM JANGIR	1676/14	1070	0.0107
				कुल	0.0328

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है।

उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 08-05-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी नगर विकास न्यास, सीकर

इंसानियत एकता सेवा समिति ने मनाया सातवां स्थापना दिवस

चूरू (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित नया बस स्टैण्ड पर एक होटल में इंसानियत एकता सेवा समिति का सातवां स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। समिति के छः वर्ष पूरे होने पर समिति सदस्यों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस अवसर पर समिति ने राजकीय डीबी अस्पताल में दो सीमेंटेड बैंच रखने, मरीजों और परिजनों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था करने सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इब्राहीम सोलंकी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी मो. रफीक राजगढ़िया ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए इनसे प्रेरणा लेने का आ ान किया। इस मौके पर संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने स्थापना दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समिति द्वारा पिछले छः वर्षों में सामाजिक सरोकार में सफलतापूर्वक विभिन्न नेक कार्य किए गए।

सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल में अव्यवस्थाओं का आलम

- चारदीवारी व पानी की कोई व्यवस्था नहीं
- आनन फानन में कर दिया नए भवन में स्थानांतरित

सिंघाना (निसं)। सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल को नए भवन में संचालित तो कर दिया गया, लेकिन यहां अब भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। अस्पताल परिसर में चारदीवारी नहीं होने से सुरक्षा व्यवस्था भगवान भरोसे है, वहीं पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार की ओर से सिंघाना के सामुदायिक अस्पताल के लिए औद्योगिक क्षेत्र के पास नया भवन बनाया है। अस्पताल के अभी तक चार दिवारी व पानी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। वर्तमान में अस्पताल मुख्य बाजार स्थित धर्मशाला में संचालित किया जा रहा था, जहां भीड़-भाड़ अधिक होने के कारण व अस्पताल परिसर में विस्तार नहीं होने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। नया भवन बनने के बाद भी अस्पताल में आने वाले लोगों को बेहतर उपचार के साथ सुविधाओं का दर्द भी मिल रहा है। बुहाना प्रधान हरिकृष्ण यादव, पालिका अध्यक्ष विजय कुमार पांडे का कहना है कि अस्पताल को आनन-फानन में नए भवन में शिफ्ट कर दिया गया, जबकि भवन में कई जरूरी कार्य अधूरे पड़े हैं। अस्पताल परिसर खुला होने के कारण आवारा पशु भी अंदर तक पहुंच जाते हैं, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। रात के समय सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। वहीं पानी की कमी के चलते अस्पताल में भर्ती मरीजों, स्टाफ और आने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार बाहर से पानी की व्यवस्था करनी पड़ती है।

ग्रामीणों का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग ने बिना पर्याप्त तैयारियों के अस्पताल संचालन शुरू कर दिया। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से जल्द चारदीवारी निर्माण, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज पहुंचते हैं, ऐसे में सुविधाओं की कमी गंभीर समस्या बनती जा रही है। अस्पताल के ने भवन में चोरी होने के बाद भी सुरक्षा भगवान भरोसे - रिको एरिया में राज्य सरकार द्वारा अस्पताल का नया भवन बनाएं जाने के बाद भी सुरक्षा के कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। मार्च माह में अज्ञात लोगों ने सीएचसी भवन में घुसकर कमरों के ताले तोड़कर बिजली के बोर्ड, एमसीबी, वायरिंग एवं अन्य फिटिंग्स को चोरी कर ले गया। ग्रामीणों ने बताया कि इस घटना से न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, बल्कि स्वास्थ्य केंद्र के सुचारू संचालन पर भी असर पड़ने की आशंका है, चोरों ने सीएचसी भवन में तोडफोड़ व चोरी की वारदात की घटना को अंजाम दिया था। इसके बावजूद भी चारदीवारी का निर्माण न करवाया गया। अस्पताल भवन पहाड़ी से सटा हुआ है तथा उसके पास जंगली एरिया भी है।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ़ (चूरू)

E- Mail Address - eonp.sdlp@ yahoo.in — Fax &Phone :- 01559 – 222039

क्रमांक :–न.पा.रा./2021–22/1123 — दिनांक :– 09.07.2021

आपति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदन पत्र के द्वारा निम्नप्रकार पत्रावलीं की किस्म का आवेदन किया गया है। जिस किसी व्यक्ति को इस सबंध में आपति हो तो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में नगर पालिका कार्यालय में लिखित में पेश कर देवें। सम्पूर्ण जानकारी के लिए कार्यालय नगरपालिका राजगढ़ (चूरू) में सम्पर्क करें। समयावधि निकलने के पश्चात आपति विचारानीय नही होगी। विवरण निम्नानुसार है।

क्र.स.	पत्रावली संख्या	आवेदक का नाम	क्षेत्रफल	पत्रावली का प्रकार
01	2546 / 28.04.2026	श्री छोटूराम पुत्र श्री गुलाबचंद, वार्ड नं. 19 मोहल्ला घंटाघर के पास, राजगढ़(चूरू)।	32.10 वर्गमीटर	69क नियमन
02	6728 / 07.04.2026	श्रीमती मुकेश पत्नी श्री जोगेन्द्र सिंह, वार्ड नं 36 राजगढ़ (चूरू)।	165.96 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन (आवासीय)
03	6725 / 07.04.2026	श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह, वार्ड नं. 36, राजगढ़ (चूरू)।	172.16 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन (आवासीय)
04	6726 / 07.04.2026	श्री मनदीप पुत्र जोगेन्द सिंह, वार्ड नं. 36, राजगढ़ (चूरू)।	181.19 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन (आवासीय)
05	6666 / 03.09.2025	श्री विरेन्द्र पुत्र श्री सुरजभान, वार्ड नं. 29 नया 36 सिदमुख रोड़ के पास, राजगढ़ (चूरू)।	185.78 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन (आवासीय)
06	07 / 22.01.2026	श्रीमती आशा पुनियां पत्नी राम प्रताप, निवासी वार्ड नं. 11, मौहल्ला बस स्टेण्ड के पास, डीवाईएसपी कोठी के पास, राजगढ़ (चूरू)	06.69 वर्गमीटर	खांचा भूमि नियमन (व्यवसायिक)
07	2548 / 04.05.2026	श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री रघुवीर सिंह, निवासी वार्ड नं 03 राजगढ़ (चूरू)	111.48 वर्गमीटर	69क नियमन (आवासीय)
08	93 / 06.10.2025	श्री सतपाल पुत्र मोहनराम, निवासी वार्ड नं. 02 नया 13 मौहल्ला युक्ता बिन्दल के पास राजगढ़ (चूरू)।	196.19 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन (आवासीय)

राज.संवाद/सी/26/2404 — अधिशाषी अधिकारी

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव

सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥

सोमनाथ

विरासत के 75 साल

सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी,
सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है।
75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ।
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।

इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें

मुख्य गतिविधियां

- कलश यात्रा
- भजन संध्या
- ॐकार मंत्र का जाप
- सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन
- सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन

राजस्थान संवाद

श्री सोमनाथ मंदिर परिसर, प्रभास पाटन | 8 से 11 मई, 2026

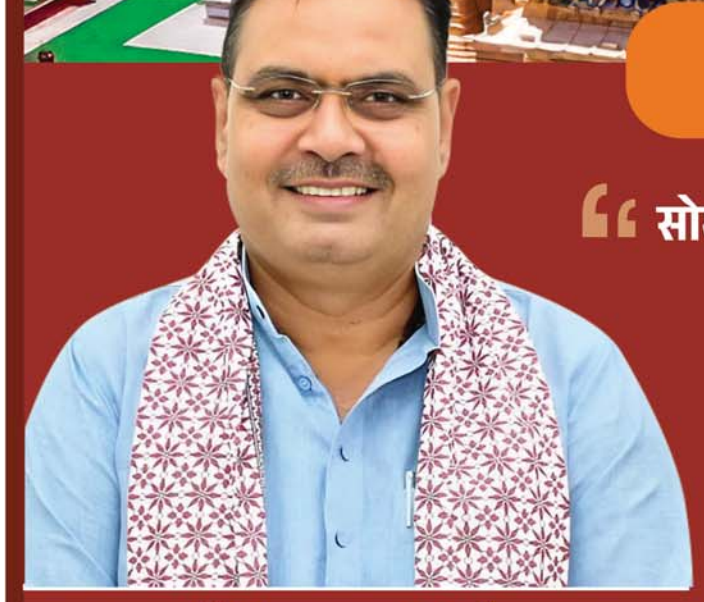

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी (अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)

सोमनाथ के 1000 साल की गौरवशाली विरासत
को और समृद्ध बनाने में योगदान दें।
स्कैन करें।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

यह मुद्दा केवल पैसे का नहीं बल्कि सम्मान का है। उनके अनुसार खिलाड़ी खेल को जितना देते हैं, उसके मुकाबले उन्हें उतना सम्मान और लाभ नहीं मिल रहा है। - यानिक सिनर

विश्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी, फ्रेंच ओपन में इनामी राशि को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **क्रिस्टियानो रोनाल्डो**

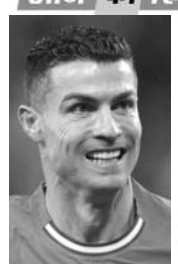

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल दागकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। रोनाल्डो के गोल की बदौलत अल-नस्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने मैच के 75वें मिनट में सादियो माने के क्रॉस पर शानदार फिनिश करते हुए यह खास मुकाम हासिल किया। यह उनके पेशेवर करियर का 971वां गोल भी रहा। मौजूदा सत्र में रोनाल्डो अब तक 26 लीग गोल कर चुके हैं।

क्या आप जानते हैं ?... ओलंपिक में व्यक्तिगत रिकॉर्ड : नेविल डिसूजा (1956 ओलंपिक में एक मैच में 4 गोल, किसी भारतीय का सबसे बड़ा रिकॉर्ड)।

बीसीसीआई एनसीए अंडर-16 ट्रेनिंग कैंप जयपुर में होगा

जयपुर 8 मई। बीसीसीआई के सत्र 2025-26 की राष्ट्रीय अंडर 16 क्रिकेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विभिन्न राज्यों के युवा खिलाड़ियों के एनसीए द्वारा आयोजित होने वाले ट्रेनिंग कैंप का आयोजन आरसीए अकादमी, सवाई मान सिंह स्टेडियम में आगामी तारीख 11 मई से 6 जून 2026 के दौरान किया जाएगा। एनसीए ट्रेनिंग कैंप में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के युवा खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। स्वर्णव श्रीहित गुरु दास, अधविक ईश्वरन, सुकृत। जे, के भानु हर्षा, पैला श्याम दिनेश, हार्दिक शर्मा, अनाया नेगी, त्रिनाभ शुक्ला, अभिषेक राजपूत, शिवम मत्री, ऋषभ सदके, श्रेयश फडतारे, अद्वैत भट, युवराज सिंह, त्रिपर्णा सामंत, आशुतोष कुमार नाइक, कृव पटेल, अर्नव घोडगांवकर, आलोक कुमार, निर्मिक योगेश चारडे, महर्षि प्रीतेशभाई वाघेला, आर्यन त्यागी, विराज माहेश्वरी, पंकज भाटी, शोभग सिंह भाटी। हर्षद खादीवाले बैटिंग कोच, शिब शंकर पॉल बॉलिंग कोच, मंदार साने बॉलिंग कोच, एस. विगनेश फील्डिंग कोच, अभिजीत सिंह सायल फिजियोथेरेपिस्ट, वीरमणि फिजियोथेरेपिस्ट, पूर्णेंदु शेखर जेना स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच, भवनेश कुमार स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच, अजिंक्य विनोद सावले परफॉर्मेंस एनालिस्ट।

मैत्री क्लब ने संस्कार एकेडमी को चार विकेट से हराया

जयपुर, 8 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल बी के मैच में मैत्री क्लब ने संस्कार एकेडमी को 4 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर संस्कार एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आरव कुमार के 111 रन (106 गेंद, 15 चौके व एक छक्का), पारस के 20 रन व खुशवंत सिंह के 13 रनो से 43 ओवर में 191 रन बनाए। मैत्री क्लब के लिए हसन खान ने 50 पर 3, मौलिक झरवाल ने 43 पर 2, अरशद, नीतीराज व वरदान ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में मैत्री क्लब ने रामदीप के 20 रन, आयुष आमेरिया के 30 रन, वरदान शर्मा के 94 रन व क्षितिज के 23 रनो से 33.3 ओवर में 6 विकेट पर 192 रन बनाकर मैच जीत लिया। संस्कार एकेडमी के लिए कार्तिक माहेश्वरी ने 34 पर 2, पुलकित माथुर ने 31 पर 2 व प्रणव शर्मा ने 26 पर एक विकेट लिया।

आदित्य टांक की गेंदबाजी से मान क्लब 233 पर सिमटी, खूबेब की फिफ्टी

जयपुर, 8 मई जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी के अंतर्गत आज से खेले गए तीन दिवसीय मैच के पहले दिन टीम सी (मान क्लब) ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए लोकेश सैनी के 22 रन, मोहित भगतानी के 20 रन, आदित्य झाला के 23 रन, मोहम्मद खूबेब के 71 रन, चिराग शर्मा के 20 रन व रिहान अली के नाबाद 20 रनो से 60.5 ओवर में 233 रन बनाकर आउट हुई।

आईपीएल 2026 पर 'हनी ट्रैप' का साया, बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

आईपीएल में अब नहीं चलेगी मनमानी, खिलाड़ियों पर लगेगी लगाम : शुक्ला

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष क्रिकेट निकाय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान खिलाड़ियों के लिए नए एक्सेस कंट्रोल नियम लागू कर रहा है, जिसका उद्देश्य अनुशासन को मजबूत करना और टूर्नामेंट प्रोटोकॉल का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करना है।

लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए शुक्ला ने कहा कि आईपीएल के नए नियम खिलाड़ियों की पहुंच को सीमित करेंगे और होटलों, टीम बसों और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में क्रिकेटरों के साथ अनधिकृत बैठकों को रोकेंगे। यह कदम पारदर्शिता में सुधार लाने और टूर्नामेंट के दौरान समग्र सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष ने कहा कि बीसीसीआई नए नियम बना रहा है। खिलाड़ियों की पहुंच नियंत्रित की जाएगी; आईपीएल की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अनधिकृत लोगों को खिलाड़ियों से मिलने की अनुमति नहीं दी जाएगी, न तो होटलों में और न ही बसों में। उनकी यह टिप्पणी बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि मौजूदा सीजन में खिलाड़ियों, टीम अधिकारियों और अनधिकृत व्यक्तियों से जुड़ी कई अनियमितताओं के मद्देनजर बोर्ड सभी आईपीएल फ्रेंचाइजी को सख्त सलाह जारी करेगा।

सैकिया ने खुलासा किया कि बीसीसीआई ने स्थापित भ्रष्टाचार-विरोधी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के कई उल्लंघन देखे हैं, जिनमें अनधिकृत व्यक्तियों का टीम सदस्यों के साथ आना, टीम होटलों में प्रवेश करना और खिलाड़ियों या अधिकारियों के कमरों में घुसना शामिल है। उन्होंने फ्रेंचाइजी मालिकों और अधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों से प्रतिबंधित क्षेत्रों में बातचीत करने पर भी चिंता व्यक्त की, जहां आईपीएल नियमों के तहत इस तरह की पहुंच की अनुमति नहीं है। मामले को गंभीर बताते हुए, सैकिया ने कहा कि बीसीसीआई और आईपीएल शासी निकाय टूर्नामेंट प्रोटोकॉल के अनुपालन को मजबूत करने के लिए एक औपचारिक सलाह जारी करेंगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी उल्लंघन पर बोर्ड द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने आईपीएल में खिलाड़ियों के लिए नए एक्सेस कंट्रोल नियम लागू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य अनुशासन और पारदर्शिता को बढ़ाना है; इन नियमों के तहत होटलों और टीम बसों में अनधिकृत व्यक्तियों को क्रिकेटरों से मिलने की अनुमति नहीं होगी।

भारतीय टीम में होगा बड़ा बदलाव!

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस को बनाया जा सकता है कप्तान ?

नई दिल्ली, 8 मई। भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) नेतृत्व में बदलाव की तलाश में है और सूर्यकुमार यादव को भारत के टी20 अंतरराष्ट्रीय कप्तान के पद से हटाकर श्रेयस अय्यर को उनकी जगह कप्तान बनाया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है कि सूर्यकुमार यादव पहले से ही 35 वर्ष के हैं और हाल ही में उन्होंने भारत को टी20 विश्व कप जिताया था। वहीं, श्रेयस अय्यर अपने चरम पर हैं और इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल तक पहुंचाना और कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 में तीसरा आईपीएल खिताब दिलाना शामिल है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता सूर्यकुमार यादव के खराब प्रदर्शन से तंग आ चुके हैं और टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को शामिल करना चाहते हैं। यह दिलचस्प है कि भारतीय टीम जल्द ही आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी, जिसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच होंगे। इस सीरीज में श्रेयस अय्यर टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम की कमान संभाल सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के मामले में भारतीय टीम का शेड्यूल काफी व्यस्त है। 2028 में होने वाले टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए, भारतीय टीम लगातार तीसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के लिए अपनी टीम में बड़े बदलाव कर सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सूर्यकुमार यादव का बल्ले से खराब प्रदर्शन भारत के अगले टी20 कप्तान के रूप में उनकी भूमिका में बदलाव का एक प्रमुख कारण हो सकता है। उन्होंने टी20 विश्व कप में नौ पारियों में 242 रन बनाए, जिनमें से 84 रन उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाए थे। भारतीय कप्तान मौजूदा आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं, जहां पांच बार की चैंपियन टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर है।

कोलकाता ने दिल्ली को 8 विकेट से हरा लगातार चौथा मैच जीता

एलन का शतक

नई दिल्ली, 8 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराया। दिल्ली कैपिटल्स की टीम पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। इसके जवाब में कोलकाता नाइट राइडर्स ने फिन एलन की दमदार शतकीय पारी की बदौलत 34 गेंद शेष रहते मैच अपने नाम किया। कोलकाता ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 147 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स की टीम शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 142 रन ही बना सकी। दिल्ली के लिए आशुतोष शर्मा ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। इसके जवाब में कोलकाता की शुरुआत खराब रही। टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे रन आउट हुए।

अंगकृष रघुवंशी एक रन ही बना पाए। इसके बाद फिन एलन और कैमरन ग्रीन ने विकेट नहीं गिरने दिया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 64 गेंद में 116 रन की साझेदारी हुई। फिन ने 47 गेंद में नाबाद 100 रन और ग्रीन ने 27 गेंद में 33 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स को केएल राहुल और पथुम निसांका ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 14 गेंद में 23 रन बनाकर आउट हुए। कार्तिक त्यागी ने उन्हें आउट किया। नितीश राणा 8 रन बनाकर ग्रीन का शिकार बने। समीर रिजवी 7 गेंद में तीन रन ही बना सके। ट्रिस्टन स्टब्स 4 गेंद में दो रन बनाकर आउट हुए।

एलन-ग्रीन में शतकीय साझेदारी

143 रन का टारगेट चेज कर रही कोलकाता ने 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। कप्तान अजिंक्य रहाणे 13 और अंगकृष रघुवंशी एक रन बनाकर आउट हुए थे। ऐसे में फिन एलन ने कैमरन ग्रीन के साथ शतकीय साझेदारी करके टीम को जीत दिला दी।

11वें ओवर में कोलकाता के फिन एलन ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने मिचेल स्टार्क की पहली बॉल पर छक्का लगाया। इसी छक्के से उनकी फिफ्टी पूरी हुई। इतना ही नहीं, कैमरन ग्रीन के साथ अर्धशतकीय साझेदारी भी हुई।

पाथुम निसांका ने फिफ्टी लगाई

ओपनर पाथुम निसांका ने 29 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। जबकि आशुतोष शर्मा ने 39 रन का योगदान दिया। केएल राहुल ने 23 रन बनाए। कोलकाता की ओर से अनुकूल रॉय और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट झटके। वैभव अरोड़ा, सुनील नरेन और कैमरन ग्रीन को एक-एक विकेट मिला। एक बैटर रनआउट हुआ।

ग्रीन के छक्के से कोलकाता 100 पार

12वें ओवर में कोलकाता ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया। कैमरन ग्रीन ने कुलदीप यादव की तीसरी बॉल छक्का लगाकर टीम को ट्रिपल डिजिट तक पहुंचाया। फिन एलन ने ओवर की पहली बॉल पर छक्का लगाया।

राजस्थान रॉयल के नए मालिक लक्ष्मी निवास मित्तल ने बेटे के साथ एसएमएस स्टेडियम पर टीम को अभ्यास करते देखा।

मैग्नस कार्लसन ने अर्जुन एरिगैसी को हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब जीता

माल्मो, 8 मई। विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी को सडन डेथ प्लेऑफ में हराकर 'टेपे सिगेमैन एंड कंपनी शतरंज टूर्नामेंट 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया। मुख्य टूर्नामेंट में अपराजित रहने वाले अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खिताबी मुकाबले में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। टाईब्रेकर की दो बाजियों में दोनों खिलाड़ियों ने एक-एक जीत दर्ज की, जिसके बाद मुकाबला सडन डेथ तक पहुंचा, जहां कार्लसन ने बाजी मार ली।

राजधानी

प्रदेश में पूर्व विधायकों को यथावत मिलती रहेगी पैंशन

राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज की जनहित याचिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में पूर्व विधायकों को दी जा रही पेंशन के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश मिलाप चंद डांडिया की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में राजस्थान विधानसभा अधिकारी और सदस्य वेतन, परिलब्धियां और पेंशन अधिनियम,1956 की संवैधानिकता को चुनौती दी गई थी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि विधायकों और सांसदों को मिलने वाले लाभों की संवैधानिक स्थिति लगभग एक समान है। सुप्रीम कोर्ट सांसदों के मामले में पेंशन का मुद्दा पहले ही तय कर चुका है और यह अब अनसुलझा कानूनी प्रश्न नहीं है। अदालत ने माना की पेंशन केवल पारंपरिक सरकारी सेवा या नियोक्ता व कर्मचारी संबंध तक सीमित नहीं है, बल्कि कानून में कई अन्य श्रेणियों में भी पेंशन को मान्यता दी गई है। अदालत ने कहा कि संविधान के तहत विधान मंडल को पेंशन के संबंध में कानून बनाने की पूर्ण विधायी क्षमता है। संविधान के अनुच्छेद 195 में पेंशन शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं होने से यह नहीं कहा जा सकता की संविधान में इसे देने पर कोई प्रतिबंध है। इसके अलावा कानून बनाना मुख्य रूप से विधानमंडल का काम है और न्यायिक समीक्षा का दायरा विधायी क्षमता की जांच करने तक सीमित है।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विमल चौधरी ने साल 1956 के अधिनियम को चुनौती देते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 195 केवल वेतन और भत्तों के निर्धारण की शक्ति देता है और इसमें पेंशन का हवाला नहीं है। ऐसे में विधानसभा को ऐसा कानून बनाने का अधिकार नहीं है। इसके अलावा पेंशन केवल सरकारी सेवा से रिटायर होने पर ही दी जाती है, जबकि विधायक का पद राजनीतिक और संवैधानिक पद है। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट लोक प्रहरी के मामले में सांसदों को पेंशन देने का मुद्दा पहले ही तय चुका है। सांसदों और विधायकों की स्थिति एक समान है, इसलिए विधानसभा की ओर से बनाया कानून पूरी तरह वैध है। संविधान भी पेंशन के संबंध में विधानसभा को कानून बनाने की अधिकार देता है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद खंडपीठ ने जनहित याचिका को खारिज कर दिया है।

हवामहल के सामने युवती को टक्कर मारने वाला टैक्सी ड्राईवर गिरफ्तार

जयपुर । पुलिस थाना माणक चौक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हवामहल के सामने एक युवती को लापरवाही से टक्कर मार कर घायल करने वाले टैक्सी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने हादसे में प्रयुक्त टैक्सी कार को भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि एक युवक ने थाने पर एक रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि 5 मई की रात जब वह अपने मित्रों के साथ हवा महल घूमने आया था, तब वापस लौटते समय एक टैक्सी कार के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और प्रार्थी की महिला मित्र को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी चालक घायल की मदद करने या पुलिस को सूचना देने के बजाय मौके से फरार हो गया। जांच में सामने आया कि हादसे के दिन टैक्सी चालक हवा महल के सामने से गुजर रहा था।

कपड़ा फैक्ट्री में करोड़ों रु. का आईपीएल सट्टा पकड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) और मालपुरा गेट थाना पुलिस ने आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कपडा फैक्ट्री में संचालित अवैध सट्टा नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक समेत छह सटोरियों को गिरफ्तार कर करोडों रुपए के हिसाब-किताब से जुड़े रजिस्टर, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और वाहन जब्त किए हैं। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) संजीव नैन ने बताया कि पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल और विशेष पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशन्स) ओमप्रकाश के निर्देशन में सीएसटी ने यह कार्रवाई की। जहां मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने मालपुरा गेट इलाके में माल की ढाणी (सांगानेर) स्थित नानग विहार कॉलोनी के प्लॉट नंबर-3 में संचालित 'चिरायु गर्वित कम्पनी' नामक कपड़ा फैक्ट्री पर दबिश दी। पुलिस ने फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर बने कमरे में दबिश देकर आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते उत्तम सैनी (40) निवासी झालाना ग्राम, रूपल बंसल (34) निवासी मुहाना मंडी रोड, राजेंद्र कुमार (46), निवासी पुरानी टोंक,देवेंद्र कुमार जंगलानी (37) निवासी मालवीय नगर, विकास नागर (40) निवासी नाहरी का नाका और मनोहर स्वामी (38) निवासी बाबाजी की ढाणी, सांगानेर को गिरफ्तार किया। पुलिस जब पहुंची, तब लखनऊ और बेंगलुरु के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर आरोपियों द्वारा दांव लगाए जा रहे थे।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपित मालवीय नगर के बड़े बुकी अशोक गुप्ता और बाबू उर्फ नोनी से सट्टे की लाइन लेकर जूम एप के जरिए ऑनलाइन सट्टेबाजी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। आरोपी लंबे समय से कपड़ा फैक्ट्री की आड़ में यह अवैध कारोबार चला रहे थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि बुकी उत्तम सैनी और फैक्ट्री मालिक मनोहर इस कारोबार में बराबर के पार्टनर थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 21 मोबाइल फोन, 4 लैपटॉप, 1 डोंगल, चार्जर केबल, कैलकुलेटर, सट्टे के हिसाब-किताब से जुड़े 6 रजिस्टर तथा 1540 रुपए नकद बरामद किए।

इसके अलावा एक लग्जरी स्कॉर्पियो, होंडा डियो स्कूटी, एक्टिवा स्कूटी और पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई।पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और आरपीजीओ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। सीएसटी के एसआई संदीप बसेरा, एएसआई कमल डागर और कांस्टेबल कुमेर गुर्जर की कार्रवाई में विशेष भूमिका रही।

अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना बनी विद्यार्थियों का सशक्त संबल

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित अम्बेडकर डीबीटी वाउचर योजना प्रदेश के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों (बालकों) के लिए एक सशक्त सहारा बनकर उभर रही है। विगत ढाई वर्षों में 11 करोड रूपये से अधिक व्यय कर 7314 छात्रों को योजना के तहत लाभान्वित किया जा चुका है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि विभाग की इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से उन छात्रों (बालकों) को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जो उच्च शिक्षा के लिए अपने गृह स्थान से दूर रहकर जिला मुख्यालयों पर स्थित राजकीय महाविद्यालयों में अकादमिक पाठयक्रमों में अध्ययन कर रहे हैं, तथा किराये का मकान लेकर अथवा पेईंग गेस्ट के रूप में रह रहे हैं। पूर्णत: राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित इस योजना के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर (कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय) के विद्यार्थियों को आवास, भोजन एवं बिजली-पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए 2000 प्रतिमाह (अधिकतम 10 माह) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इससे छात्रों (बालकों) को प्रति वर्ष 20 हजार तक का प्रत्यक्ष लाभ मिल रहा है, जो उनकी शिक्षा यात्रा को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार द्वारा योजना के तहत 5000 विद्यार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 1500-1500, अन्य पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के लिए 750-750 तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 500 छात्रों को शामिल किया है।

आमेर-नाहरगढ़-जयगढ़ रोपवे की प्रारंभिक मंजूरी पर अंतरिम रोक

हाईकोर्ट ने 2 फरवरी के आदेश पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार और निजी कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर-नाहरगढ़-जयगढ़ पर रोपवे बनाने के लिए निजी कंपनी को दी प्रारंभिक मंजूरी के गत 2 फरवरी के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार और निजी कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश शिवमप्राइम इंफा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता अभि गोयल ने बताया कि राज्य सरकार ने आमेर- नाहरगढ -जयगढ पर रोपवे निर्माण की घोषणा की थी। जिसमें याचिकाकर्ता सहित तीन कंपनियों ने जिला कलेक्टर के समक्ष आवेदन किया था। याचिका में कहा गया कि गत 2 फरवरी को निजी कंपनी को रोपवे के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी गई, जबकि उनकी ओर से परियोजना की लागत करीब 350 करोड रुपए बताई गई। जिसमें वन क्षेत्र का भारी दोहन होने की भी संभावना है। इसके अलावा याचिकाकर्ता की ओर से परियोजना की लागत केवल 80 करोड रुपए की बताई गई है और वन भूमि का कम से कम दोहन की भी जानकारी दी गई। इसके बावजूद भी उस कंपनी को रोपवे के लिए प्रारंभिक मंजूरी दे दी गई। याचिका में कहा गया।

कि इस लागत से रोपवे बनने पर आमजन के लिए टिकट भी अधिक राशि का वसूल किया जाएगा और वन भूमि का भी अधिक दोहन होगा।

नकली सोने की ईंट बेचने वाले मेवात गैंग के दो शातिर गिरफ्तार

जयपुर। कानोता थाना पुलिस ने नकली सोने की ईंट बेचकर लोगों से ठगी करने वाले मेवात क्षेत्र के एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार रासीद उर्फ भूरा के खिलाफ पूर्व में अलवर जिले के नौगांवा थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है और वह जेल भी जा चुका है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे मेवात क्षेत्र के रहने वाले हैं और सीधे-साधे तथा संपन्न लोगों को निशाना बनाकर ठगी करते थे। आरोपी पहले कम कीमत में सोना बेचने का झांसा देते और विश्वास जीतने के लिए असली सोने का छोटा टुकड़ा जांच के लिए देते थे। बाद में सुनसान स्थान पर बुलाकर नकली सोने की ईंट थमा लाखों रुपए लेकर फरार हो जाते थे। कानोता थानाधिकारी मुनीन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी।

हैदराबाद में 200 करोड़ रूपए के फूड पार्क, सीड एवं फूड प्रोसेसिंग के एमओयू

मुख्यमंत्री भजनलाल ने हैदराबाद में ग्राम-2026 के तहत इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित किया

हैदराबाद/जयपुर, 8 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर एग्रीटेक एवं फूड प्रोसेसिंग के सुनहरे अवसरों की भूमि बन चुका है। कृषि पैदावार में विविधता के कारण राजस्थान में प्रसंस्करण उद्योग, कोल्ड चेन, स्पाइस पार्क एवं कृषि आधारित उद्योगों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। इसी दिशा में राज्य सरकार प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों और वैल्यू एडेड

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार राजस्थान प्रदेश को कृषि आधारित उद्योगों और वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में प्रयासरत है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के तहत आयोजित इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित किया।

प्रोडक्ट्स का वैश्विक केन्द्र बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को हैदराबाद में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 के तहत आयोजित इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 'पधारो म्हारो देस' का आ ान करते हुए, निवेशकों, एग्री-टेक स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों को राजस्थान में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आज देश का प्रमुख आईटी और एग्री इनोवेशन हब बन चुका है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद का लैब टू लैंड मॉडल राजस्थान के लिए प्रेरणादायी है और राज्य सरकार इसे और अधिक मजबूती से लागू करना चाहती है।

इन्वेस्टर्स मीट में राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर फूड पार्क, सीड प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग के विकास के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न एमओयू का आदान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वन-टू-वन बिजनेस मीटिंग्स एवं निवेशकों, उद्योग जगत और एग्रीटेक विशेषज्ञों के साथ संवाद' किया गया।

इस अवसर पर पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल, आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, फिक्की नेशनल एग्रीकल्चर कमेटी के सह-अध्यक्ष सुब्रतो गीस सहित, कृषि विभाग, राजस्थान फाउंडेशन के हैदराबाद चैप्टर के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्टार्टअप्स उद्यमी एवं निवेशक उपस्थित थे।

बाइक हाइवे पर खड़े ट्रक में घुसी, पति-पत्नी व तीन बच्चों की मौत

बुलंदशहर, 08 मई। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में शुक्रवार को एनएच-34 पर हुए एक हादसे में ट्रक से टकरा कर बाइक सवार माता-पिता और तीन बच्चों व सहित, कुल पांच लोगों की मौत हो गयी। हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे का शिकार हुआ परिवार वैष्णो देवी धाम के दर्शन कर लौटा था और रिश्तेदार के घर रुकने के बाद आज अपने गांव लौट रहा था।

जानकारी के अनुसार, बुलंदशहर में खुर्जा की तरफ से उत्तम सिंह बाइक से पत्नी और तीन बच्चों के साथ बुलंदशहर नगर के धमेड़ा अड्डा की तरफ अपने घर आ रहे थे। देहात कोतवाली में एनएच-34 पर भंसौली कट के पास बाइक सड़क के किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर ही पांचों की मौत हो गई। मृतकों में उत्तम, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटा निशांत, बेटी दिशा और मासूम अनायरा शामिल हैं। दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई।

आरपीएससी ने एसआई भर्ती परीक्षा 2021 रद्द की

सितंबर 2026 में नई परीक्षा होगी, जिसमें केवल वे शामिल होंगे जिन्होंने पिछली परीक्षा दी थी

- **राजस्थान लोक सेवा आयोग 16 मई से पोर्टल पर आवेदन संशोधन की प्रक्रिया शुरु करेगा।**

अजमेर, 8 मई (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने राज्य सरकार के कड़े रुख और सिफारिश के बाद एक बड़ा फैसला लिया है। लंबे समय से विवादों और धांधली के आरोपों से घिरी सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा-2021 को आयोग ने आधिकारिक तौर पर रद्द कर दिया है। प्रदेश के लाखों युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए अब यह परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ नए सिरे से आयोजित की जाएगी।

आयोग के अनुसार, नई परीक्षा के सितंबर 2026 में आयोजित होने की प्रबल संभावना है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार कोई नए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस री-एग्ज़ाम में केवल 3 लाख 83 हजार 097 अभ्यर्थी ही बैठ सकेंगे। यह मौका सिर्फ उन युवाओं को मिलेगा, जो 13 से 15 सितंबर 2021 के बीच आयोजित हुई लिखित परीक्षा के दोनों प्रश्न पत्रों में भौतिक रूप से उपस्थित हुए थे। यदि किसी अभ्यर्थी ने 2021 में फॉर्म भरा था लेकिन परीक्षा नहीं दी थी, या सिर्फ एक ही पेपर दिया था, तो उसे अब इस नई परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं मिलेगी। चूंकि परीक्षा लगभग 5 साल के अंतराल के बाद दोबारा हो रही है, इसलिए आयोग ने अभ्यर्थियों को अपने आवेदन पत्रों में आवश्यक सुधार करने का अवसर दिया है।

आगामी 16 मई से पोर्टल पर आवेदन संशोधन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों, पते या अन्य आवश्यक विवरणों में इस दौरान सुधार कर सकेंगे।

आयोग ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर अपने फॉर्म अपडेट कर लें, ताकि बाद में एडमिट कार्ड जारी करने या चयन प्रक्रिया में कोई तकनीकी अड़चन न आए।

गौरतलब है कि एसआई भर्ती 2021 परीक्षा के आयोजन के बाद से ही इसके पेपर लीक होने व इसमें और डमी कैंडिडेट बिठाने जैसे गंभीर आरोप लगते रहे थे। मामला राज्य सरकार और पुलिस के संज्ञान में आने के बाद कई गिरफ्तारियां भी हुई थीं।

ज्ञातव्य है कि एक लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने का फैसला दिया था। उसी के तहत राज्य सरकार ने राज्य लोकसेवा आयोग से एसआई भर्ती परीक्षा -2021 रद्द करने की सिफारिश की। इसके बाद आयोग ने परीक्षा रद्द करने की घोषणा की है।

नासिक टीसीएस धर्मान्तरण मामले की मुख्य आरोपी निदा खान गिरफ्तार

कोर्ट ने निदा खान को 4 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

- **पता चला है कि छत्रपति संभाजीनगर के नगर सेवक मतीन माजिद पटेल ने निदा खान को शरण दे रखी थी, पटेल को भी आरोपी बनाया गया है।**

नासिक, 08 मई। महाराष्ट्र के नासिक के बहुचर्चित टीसीएस धर्मांतरण मामले में मुख्य संदिग्ध आरोपी निदा खान को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पिछले एक महीने से पुलिस को चकमा दे रही निदा खान को नासिक और छत्रपति संभाजीनगर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में छत्रपति संभाजीनगर से गिरफ्तार किया गया। शुक्रवार को उसे नासिक रोड न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद, निदा खान फरार हो गई थी। विशेष जांच दल (एसआईटी) को सूचना मिली थी कि वह छत्रपति संभाजीनगर के नारेगांव इलाके में छिपी हुई है। इसके बाद नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस आयुक्त प्रवीण पवार से संपर्क कर संयुक्त अभियान शुरू किया।

जांच में सामने आया कि स्थानीय नगरसेवक मतीन माजिद पटेल ने निदा खान को शरण दी थी। सादे कपड़ों में 20 से अधिक पुलिसकर्मी दो दिनों से इलाके पर नजर बनाए हुए थे। अंततः बिना नंबर वाले वाहनों की मदद से बेहद गोपनीय तरीके से निदा खान को हिरासत में लिया गया।

फरारी के दौरान निदा खान ने नासिक, भिवंडी, मुंब्रा और छत्रपति संभाजीनगर सहित कई स्थानों की यात्रा की। पुलिस के अनुसार, उसने तकनीकी निगरानी से बचने की कोशिश की, लेकिन डिजिटल ट्रैकिंग के जरिए पुलिस उसके करीब पहुंच गई।

जांच एजेंसियों को उसके मोबाइल फोन से अहम डिजिटल सबूत मिलने की संभावना है। बताया जा रहा है कि मोबाइल में पीड़िता को धर्मांतरण के लिए उकसाने वाले कथित वीडियो और संदेश मौजूद हैं। डेटा रिकवर होने के बाद कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए नासिक रोड अदालत में सुनवाई 'इन कैमरा' तरीके से की गई। अदालत परिसर के बाहर भारी पुलिस बंदोबस्त तैनात किया गया था।

सरकारी पक्ष की ओर से विशेष सरकारी वकील अजय मिसर ने पुलिस हिरासत की मांग की, जबकि बचाव पक्ष के वकील राहुल कासलीवाल और बाबा सैयद ने निदा खान के गर्भवती होने का हवाला देते हुए जमानत की मांग की। हालांकि अदालत ने यह दलील खारिज करते हुए पुलिस हिरासत मंजूर कर ली। मुख्य आरोपी निदा खान को शरण देने वाले नगरसेवक मतीन पटेल को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है। पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने कहा, जांच में बाधा डालने या आरोपियों की मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

रेजिडेंसियल स्कूल में निर्माण के लिये 800 साल पुराना मंदिर तोड़ा

- **राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण में शिकायत के बाद संस्कृति मंत्रालय व पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज किया।**

हैदराबाद, 08 मई। तेलंगाना के वारंगल जिले में एक यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए 800 साल पुराने काकतीय कालीन शिव मंदिर को बुलडोजर से ढहा दिया गया, जिससे आक्रोश और कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। खानपुर मंडल के अशोक नगर में हुई इस घटना पर राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण (एनएचए) में शिकायत के बाद केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मामला दर्ज कर लिया है।

वकील इम्मनेनी रामा राव ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि काकतीय शासक गणपति देव (1199-1262 ईस्वी) के शासनकाल के इस शिव मंदिर को खानापुर मंडल में यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के निर्माण के लिए भारी मशीनों से नष्ट कर दिया गया। शिकायत में कहा गया कि अधिकारियों ने तेलंगाना हेरिटेज एक्ट के तहत अनिवार्य विरासत संरक्षण समिति का गठन नहीं किया। कार्यकर्ताओं का तर्क है कि मंदिर को ध्वस्त करने के बजाय उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जा सकता था।

रिपोर्टों के अनुसार मंदिर के गर्भगृह को खोदा गया था, जिससे यह संदेह पैदा हो गया है कि ठेकेदार ने नीचे दबे कथित खजाने की तलाश में इसे नष्ट किया होगा। हालांकि जिला प्रशासन ने इन आरोपों का खंडन किया। वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय के अनुसार छह मई को किए गए संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि जमीन पर भारी झाड़ियां और पेड़ उगे हुए थे।

बिहार में बिजली गिरने से 7 की मौत

पटना, 08 मई। बिहार के विभिन्न जिलों में शुक्रवार देर शाम आये आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने से सात लोगों की मौत हो गई।

राज्य में आकाशीय बिजली गिरने से भोजपुर में 01, पटना में 01, समस्तीपुर में 01 और पूर्वी चंपारण में 01 तथा आंधी-तूफान/तेज वर्षा से पेड़ गिरने के कारण दबकर पटना में 02 एवं वैशाली में 01 व्यक्ति की मृत्यु पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

'अनिल अंबानी की कंपनियों के बैंकिंग फ्रॉड की गहन जांच हो'

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब तक जांच एजेंसी अनिल अंबानी की गिरफ्तारी की मांग नहीं करती वह इसका आदेश नहीं दे पाएगी।**

नई दिल्ली, 08 मई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) और उसकी कंपनियों से जुड़े कथित बड़े पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले में एक गहन जांच की जरूरत है। यह मामला तब सामने आया, जब केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बताया कि सात मामलों में अनुमानित कुल नुकसान लगभग 27,337 करोड़ रुपये है।

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ, पूर्व नौकरशाह ई.ए.एस. शर्मा द्वारा दायर एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई कर रही थी। इस याचिका में अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली एडीएजी फर्मों द्वारा 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के कथित ऋण धोखाधड़ी में अदालत की निगरानी वाली जांच की मांग की गई थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने इसे 27,000 करोड़ रुपये का घोटाला बताया है। अनिल अंबानी को इसका किंगपिन कहा है, लेकिन अभी तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया है।

पीठ ने इस बात पर गौर किया कि शीर्ष अदालत ने बार-बार कहा है कि जब तक जांच एजेंसी की ओर से गिरफ्तारी की मांग नहीं की जाएगी, वह इसका निर्देश देने में संकोच करेगी। पीठ ने कहा कि जांच को सनसनीखेज बनाने के बजाय, ध्यान जांच और प्रासंगिक सामग्री के संग्रह पर होना चाहिए। पीठ ने यह भी कहा कि किसी मामले में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता जांच एजेंसी के विवेक पर छोड़ दी जानी चाहिए।

जांच एजेंसियों की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि रिलायंस टेलीकॉम लिमिटेड के खिलाफ एसबीआई द्वारा दर्ज शिकायतों पर दो प्राथमिकी दर्ज की गई थीं। उन्होंने कहा, "कुल नौ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनमें से सात जांच के अधीन हैं और दो में आरोप पत्र दायर किए जा चुके हैं। सात मामलों में, कुल 27,337 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।"

मेहता ने बताया कि त्वरित जांच के लिए कई जांच अधिकारियों की कई टीमें बनाई गई थीं, और जिन सात मामलों में जांच चल रही थी, उनमें 14 स्थानों पर तलाशी ली गई थी। उन्होंने कहा कि 31 लुक-आउट सर्कुलर जारी किए गए हैं और इन मामलों में लगभग 3,960 दस्तावेज एकत्र किए गए हैं। मेहता ने यह भी बताया कि इन मामलों में अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और उन्होंने इन सात मामलों में आरोप पत्र दायर करने के लिए एक अस्थायी समय-सीमा भी दी।

अनिल अंबानी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सवाल उठाया कि जब संबंधित अदालत ने अभी तक आरोप पत्र पर संज्ञान नहीं लिया है, तो याचिकाकर्ता को एक आरोप पत्र की प्रति कैसे मिल सकती है।

आकाशवाणी ने 90 वर्ष पूरा होने पर मैराथन आयोजित किया

नई दिल्ली, 08 मई। आकाशवाणी के 90 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में शुक्रवार को यहां आकाशवाणी मुख्यालय से मैराथन का आयोजन किया गया। इसको प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गौरव द्विवेदी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य राष्ट्रीय प्रसारक के साथ एकजुटता दिखाते हुए फिट इंडिया की भावना को बढ़ावा देना था। लगभग 3.5 किलोमीटर लंबी ये मैराथन आकाशवाणी भवन से शुरू होकर कृषि भवन, रेल भवन तथा आरबीआई भवन से होते हुए वापस आकाशवाणी भवन पर समाप्त हुई। इस आयोजन में आकाशवाणी के कर्मचारियों के साथ-साथ भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) जैसे अर्धसैनिक बलों के जवानों ने भी दौड़ लगाकर फिट इंडिया की भावना को प्रदर्शित किया।

अजीबो-गरीब तर्क ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन के प्रति भारी और व्यापक समर्थन है, जिन्होंने पिछले पांच सालों में लेफ्ट फ्रंट सरकार के खिलाफ संघर्ष का लगातार नेतृत्व किया।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "सतीशन के लिए पूर्ण समर्थन है, और अगर नेतृत्व के.सी. वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाता है, तो इतनी बड़ी फूट और मजबूत मतभेदों के बीच वे पार्टी, सरकार और राज्य नहीं चला पाएंगे।"

सभी प्रमुख हितधारकों, जिनमें वी.डी. सतीशन, रमेश चेन्नीथला, वेणुगोपाल और अन्य शामिल हैं, को दिल्ली बुलाया गया है और कल एक बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि इस मुद्दे पर चर्चा हो और पूरी प्रक्रिया में समझदारी लाई जा सके।

वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री बनने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी है। पिछले 9 वर्षों से वे संगठन के प्रभारी एआईसीसी महासचिव रहे हैं और राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं।

जो लोग वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं, उनका कहना है कि आने वाले साल में उत्तर प्रदेश चुनाव और 2029 के आम चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए पार्टी को संगठन प्रभारी के रुप में हिंदी भाषी क्षेत्र के हिंदी बोलने वाले व्यक्ति की जरूरत है, ताकि यह साबित किया जा सके कि संगठन को कुर्सी पर नया नेतृत्व चाहिए और केरल को के.सी. वेणुगोपाल की जरुरत है।

सियासी खींचतान जारी है और पार्टी का केरल संगठन और एआईसीसी इस मुद्दे पर पूरी तरह विभाजित हैं।

पार्टी की एकता बिखरी हुई है और आज केरल कांग्रेस गंभीर रूप से विभाजित है।

अरुणाचल प्रदेश में भूकंप

इटानगर, 08 मई। अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिला में शुक्रवार को दोपहर बाद मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के

- **किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं।**

नुकसान की खबर नहीं है।

भारतीय सिस्मोलॉजी केन्द्र के अनुसार, अरुणाचल में 04 बजकर 05 मिनट 52 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.6 मापी गई।

भूकंप का केन्द्र पापुम पारे जिला में जमीन के अंदर 05 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 27.390 उत्तरी अक्षांश तथा 93.853 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

'हमारे 300 से अधिक कार्यकर्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए आयोग स्थापित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

ममता बनर्जी की पिछली सरकार के कुछ कार्यों की जांच के लिए भी एक आयोग स्थापित किया जा रहा है।

पूरी तरह से जांच शुरू हो गई है और शुभेन्दु अधिकारी के व्यक्तिगत सहायक के हत्यारों की तलाश शुरू हो गई है, जिनकी हत्या एक दिन पहले राजनीतिक कारणों से की गई थी।

नए मुख्यमंत्री और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों द्वारा कल कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और कम से कम बीस भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में शपथ ली जाएगी।

दुर्भाग्यवश, अपनी असभ्यता जारी रखते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस समारोह में भाग नहीं लेंगी। इससे पहले सभी सेवानिवृत्त मुख्यमंत्री अगले मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होते रहे हैं।

वैसे, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर, ममता बनर्जी "पूर्व" शब्द जोड़ने क बजाय अब भी खुद को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं।

शुभेन्दु को मुख्यमंत्री के रूप में घोषित करने की घोषणा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज शाम कोलकाता में की, जब नव निर्वाचित विधायकों का एक सम्मेलन संपन्न हुआ। भाजपा संसदीय बोर्ड ने अमित शाह को विधायकों की बैठकों की अध्यक्षता करने और नेता व मुख्यमंत्री चुनने का कार्य सौंपा था।

गृह मंत्री ने सदन के नेता और मुख्यमंत्री के लिए प्रस्तावित नाम आमंत्रित किया था, जिस पर नव निर्वाचित विधायकों ने एकमत होकर शुभेन्दु अधिकारी का नाम ज़ोर से पुकारा। जब अमित शाह ने मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा की, तब विधायकों ने कोई अन्य वैकल्पिक नाम नहीं दिया।

लेकिन शुभेन्दु की इस शानदार जीत पर एक दुख की छाया भी थी, क्योंकि उनके युवा कार्यकारी सहायक, जो भारतीय वायुसेना के पूर्व कर्मचारी थे, की एक दिन पहले राजनीतिक हत्या कर दी गई थी। भावुक अधिकारी ने सार्वजनिक रूप से शोक व्यक्त किया कि उनके पी.ए. को भवानीपुर निर्वाचन क्षेत्र (ममता बनर्जी के गढ़) में उनकी जीत का मूल्य चुकाना पड़ा।

मौजूदा हालात में कोई और विकल्प अकल्पनीय होता। अधिकारी ने 2021 से लगातार सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ लंबी और कठिन लड़ाई लड़ी थी।

इस मोड़ पर शुभेन्दु को छोड़कर किसी अन्य उम्मीदवार को चुनने से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी असंतोष और निराशा पैदा होती, जो बंगाल में पार्टी के पहले कदम को ही बाधित कर सकता था। पार्टी कार्यकर्ताओं को सत्ताधारी दल द्वारा लगातार और बेरहम तरीके से प्रताड़ित किया गया। भाजपा का दावा है कि पार्टी के कम से कम 300 ग्राउंड-लेवल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया और मारा गया, जबकि कई अन्य को प्रताड़ना और हत्या से बचने के लिए अपने घर छोड़ने पड़े।

शुभेन्दु ने ही पार्टी के कार्यकर्ताओं को एकजुट रखा और जहां भी पार्टी संकट में थी, वे स्वयं वहाँ पहुंचे। शुभेन्दु स्वयं हमेशा खतरे में रहे।

पार्टी अब नई शुरुआत और राज्य के लोगों की उम्मीदों की दहलीज़ पर है।

विजय आज शपथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने की सहमति दी।

शुक्रवार को चेन्नई में बातचीत हुई, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने व्यक्तिगत रूप से वीसीके प्रमुख थोल थिरुमावलवन से बात कर टीवीके नेतृत्व वाले गठबंधन के समर्थन को सुनिश्चित किया।

इसके तुरंत बाद, सीपीआई कार्य समिति और सीपीएम की राज्य नेतृत्व टीम ने भी विजय का समर्थन किया, जिससे अगले सरकार बनाने को लेकर अनिश्चितता समाप्त होने की संभावना बढ़ गई।

राज्यपाल और विजय ने बुधवार और गुरुवार को भी मुलाकात की थी। दोनों बार अरलेकर ने विजय के सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया, यह तर्क देते हुए कि टीवीके नेता के पास विधानसभा में आवश्यक समर्थन नहीं है।

लोक भवन ने बाद में एक बयान जारी कर कहा कि "सरकार बनाने के लिए आवश्यक बहुमत का समर्थन" स्थापित नहीं हुआ है।

इस निर्णय के बाद टीवीके कार्यकर्ताओं ने राज भवन के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जबकि कांग्रेस ने राज्यभर में राज्यपाल और केन्द्र की भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की घोषणा की।

गुरुवार को अरलेकर के निर्णय के जवाब में, कांग्रेस नेता गिरीश चौडणकर ने कहा कि राज्यपाल को सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना ही चाहिए। उन्होंने मीडिया से कहा कि बहुमत का परीक्षण केवल विधानसभा के पटल पर किया जा सकता है।

उन्होंने भाजपा एवं आरएसएस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव डालने का प्रयास करने का भी आरोप लगाया, जबकि भाजपा के पास विधानसभा में केवल एक विधायक है।

तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई ने 8 मई को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन की अपील की, आरोप लगाते हुए कि राज्यपाल संविधान के खिलाफ काम कर रहे हैं और टीवीके को सरकार बनाने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं।

बाद में, विजय ने सीपीआई राज्य मुख्यालय का दौरा कर नेताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्कूल जाते समय मुख्यमंत्री से एक बार फिर मिलीं और अपनी मांग दोहराई, तो मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए बताया कि जाजोद के स्कूल में विज्ञान संकाय शुरू हो चुका है। राज्य सरकार की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं। अब इस विद्यालय में आप गणित एवं जीव विज्ञान दोनों में से अपनी रुचि अनुसार विषय चुनकर इसी साल से पढ़ाई कर सकती हैं। मुख्यमंत्री के मुंह से खुशखबरी सुनकर बच्चियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि उन्हें यकीन ही नहीं हो पा रहा कि उनकी मांग इतनी जल्दी पूरी होगी।

ममता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक संदेश भी माना जा सकता है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

टीवीके के सभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी कोर्ट जाने की योजना बना रही है।

द्रमुक ने शुक्रवार को एक बैठक की, जिसमें चार प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें से एक प्रस्ताव पार्टी प्रमुख एमके स्टालिन को "आपातकालीन निर्णय लेने" का अधिकार देता है। प्रस्ताव के बारे में द्रमुक ने कहा, "हमारा मुख्य उद्देश्य है कि एक और चुनाव को टाला जाए, एक स्थिर सरकार बनाई जाए और साम्प्रदायिक ताकतों को कोई मौका न दिया जाए।"

बहुमत की कमी को "जटिल संकट" बताते हुए, द्रमुक ने अपने सभी विधायकों से कहा है कि वे 10 मई तक चेन्नई में रहें।

हालांकि, द्रमुक के शीर्ष सूत्रों ने पुष्टि की कि एक योजना पर विचार किया जा रहा है, जिसमें ई. पलानीस्वामी मुख्यमंत्री बन सकते हैं और द्रमुक बाहर से समर्थन देगा।

द्रमुक के कुछ युवा नेताओं, विशेषकर उदयनिधि स्टालिन के शिविर को डर है कि विजय सत्ता में आने के बाद एम.जी. रामचंद्रन की तरह हो जाएंगे और उन्हें हटाना लगभग असंभव होगा। विख्यात एमजीआर ने जीवन भर द्रमुक को सत्ता से बाहर रखा था।

पार्टी के पुराने नेता, जिनमें एमके स्टालिन शामिल हैं, अभी भी पूरी तरह आश्वस्त नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार, वे इस प्रयोग पर जनता की प्रतिक्रिया को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि यह दो पार्टियों का साझा प्रयास है, जो दशकों से आमने-सामने रही हैं, और उन्हें भारी विरोध का डर है।

अन्नाद्रमुक ने भी इसी तरह का कदम उठाया है, जिसने अपने विधायकों से कहा है कि वे प्रतीक्षा करें और देखें। पार्टी के एक हिस्से को टीवीके के साथ गठबंधन की जल्दी है, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इसे पूरी तरह खारिज कर दिया है।

टीवीके ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खराब है, जिसने 23 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को हराया। अय्यर ने कहा, कांग्रेस ने पांच सीटें जीतीं, उसने ये सीटें अपने दम पर नहीं, बल्कि पूरी तरह से द्रमुक के साथ अपनी दशकों पुरानी कनिष्ठ साझेदारी के बल पर जीतीं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600